प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची ➢दिल्ली➢देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 202 | दैनिक | रांची | बुधवार 5 मार्च 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

सुविचार

बीता कल आज की याद है, और आने वाला कल आज का स्वप्न।
खलील जिब्रान

10

विधान सभा का बजट सत्र: कहिए तो बैठ जाएं, उत्तर सही नहीं हुआ: उदय शंकर सिंह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। विधायक उदय शंकर सिंह ने मंगलवार को सदन में सारठ-पालोजोरी और करमा टांड में कॉलेज या मॉडल डिग्री खोलने की मांग की। इसपर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जामताड़ा में महिला महाविद्यालय की स्थापना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। लेकिन उदय शंकर सिंह मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने कहा कि यह काफी दूर है। कहिए तो बैठ जाएं, उत्तर सही नहीं हुआ।

पलामू के राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में पठन पाठन जल्द होगा शुरू: डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने बताया कि पलामू के बसौरा में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में पठन-पाठन का काम 2025-26 से शुरू हो जाएगा। खलारी में प्रदूषण के मामले पर कहा कि सरकार गंभीर है। विभाग को निर्देश दिया जाएगा। इस पर आवश्यक पहल की जाएगी।

शराब पीकर पति घर आये तो ठोक दो – हेमलाल

विधायक हेमलाल मुर्मू ने सदन में कहा कि अगर कोई पति शराब पीकर घर आता है, तो उसे ठोक देना चाहिए। उनके क्षेत्र की महिलाएं उन्हें फोन कर पूछती हैं कि उनका पति शराब पीकर घर आया है, क्या उसे ठोक दें? वह उन्हें सुझाव देते हैं कि ठोक दो। उन्होंने कहा कि शराब से परिवार बर्बाद हो रहा है। हेमलाल की इस बात पर भाजपा विधायक नीरा यादव ने चुटकी लेते हुए कहा कि राज्य सरकार झारखंड में शराब बिचवा कर क्यों पति को पत्नी से पिटवा रही है?

चालकों के लिए कल्याण योजना की मांग

विधायक अरूप चटर्जी ने सदन में चालकों के लिए कल्याण योजना लागू करने की मांग की। इस पर मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि पड़ोसी राज्य की नीतियों का विस्तृत अध्ययन कर इस पर निर्णय लिया जाएगा। इस कार्य में कम से कम छह महीने लगेंगे। वहीं विधायक अनंत प्रताप देव ने वंशीधर नगर को तीर्थस्थल कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की मांग की।

आदिवासी के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया

विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि चतरा के कुंदा में खतियानी जमीन पर बसे लोगों के 20 घरों को वहां के डीएफओ राहुल कुमार मीणा के आदेश पर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। ये घर आदिवासी और पिछड़ी जातियों के हैं। इसकी जांच कर कराकर दोषी अफसर पर कार्रवाई करें। जिस अफसर पर जांच होना चाहिए, उसी अफसर ने रिर्पोट भेजी है। इस मामले की विधानसभा की कमेटी बनाकर जांच कराई जानी जरूरी है।इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि चतरा उत्तरी प्रमंडल की अधिसूचित वन भूमि है। इसकी विस्तृत जानकारी लेकर चलते सत्र में उपलब्ध करा दिया जाएगा।

जदयू विधायक सरयू राय ने सदन में उठाया प्रदूषण का मुद्दा
सरकार ने बताया : तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर सप्ताह भर में मांगी गई रिपोर्ट

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन मंगलवार को जमशेदपुर पश्चिम के जदयू विधायक सरयू राय ने प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बोकारो पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड के फ्लाई ऐश से छह पौंड (तालाब) भर गए हैं।अब फ्लाई ऐश गरगा नदी से होकर दामोदर नदी में गिर रहा है। सदन की समिति बनाई जाए, जो स्थल निरीक्षण कर रिर्पोट सौंपेंगी। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। एक सप्ताह के अंदर रिर्पोट सौंपेंगी। सरयू राय ने कहा कि जो कमेटी बनाई गई है, उस कमेटी में दोषियों को ही शामिल किया गया है। जो लोग बीपीएससीएल से 73 लाख 32,031 रुपए वसूल नहीं सके, उन्हें ही कमेटी में शामिल किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भ्रम फैला रहा है। मंत्री सदन में गलत बयान दे रहे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि अगर गड़बड़ी मिलती है तो कार्रवाई होगी। यह कार्रवाई चलते सत्र में ही की जाएगी।

सिमडेगा को पर्यटक नगरी घोषित करने की मांग

विधायक भूषण बाड़ा ने सिमडेगा को पर्यटक नगरी घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रामरेखा धाम, केला घाघ, बसंतपुर, अरगोड़ा और कुस टोंगरी को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने बताया कि इसके लिए 18 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। पर्यटक स्थल के विकास के लिए पर्यटन निदेशालय भी तैयार है जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। भूषण बाड़ा ने शिक्षा नीति की तरह पर्यटन नीति बनाने की भी मांग की।

26001 सहायक आचार्यों की नियुक्ति की कार्रवाही की जा रही है: रामदास

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि प्राथमिक स्कूलों में 2,6001 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। अनुशंसा प्राप्त होने के बाद छात्र शिक्षक अनुपात में नियुक्ति की कार्रवाई की जाएगी। वहीं 17,786 पदों के लिए 13,923 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति कर ली गई है। मंत्री सदन ने भाजपा के राज सिन्हा के सवाल का जवाब दे रहे थे। राज सिन्हा ने पूछा कि 8353 स्कूलों में सिर्फ एक–एक शिक्षक ही हैं। जबकि इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 4.10 लाख है। 199 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हुआ है। इस स्कूलों में 398 शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की संख्या घटती ही जा रही है। इसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत शिक्षक गांवों में जाकर बच्चों के अभिभावकों को बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हैं। अगर शिक्षकों का ट्रांसफर कर दिया जाए तो स्कूल ही बंद हो जाएंगे। इस पर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि शिक्षा को प्रभावी बनाते हुए शैक्षणिक महौल बनाने पर जोर दिया जाए।

पॉलिसी का नहीं किया जा रहा है पालन

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि पिछले एक साल में मध्यम स्तर के उद्योगों में वृद्धि हुई है। लेकिन 34 हजार सूक्ष्म और लघु उद्योगों में रोजगार में कमी आई है। प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का पालन नहीं हो रहा है। इस पॉलिसी के तहत सरकार द्वारा छोटे उद्योग से 25 फीसदी माल खरीदने का प्रावधान है। उन्होंने यह भी पूछा कि जियाडा ने जितनी भूमि उपलब्ध कराई है, उसमें कितने लघु और सूक्ष्म उद्योग चल रहे हैं। इस पर उद्योग मंत्री संजय सिंह यादव ने कहा कि पूरे राज्य में छोटे उद्यमियों को सरकार बढ़ावा देगी। आवश्यकता होगी तो प्रोक्योरमेंट पॉलिसी में भी परिवर्तन किया जाएगा।

छात्र संघ चुनाव कराने की मांग

विधायक अरूप चटर्जी ने शून्यकाल में राज्य के विश्वविद्यालयों में सात साल से लंबित छात्र संघ चुनाव कराने और सिंडिकेट के गठन की मांग की। वहीं विधायक ममता देवी ने रामगढ़ कॉलेज को यूनिवर्सिटी में अपग्रेड करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रामगढ़ कॉलेज यूनिवर्सिटी की सभी अहर्ता रखता है। जयराम महतो ने सुनील महतो की मौत की एनआइए से जांच कराने और रसोइया को न्यूनतम वेतनमान की गारंटी का प्रावधान करने की मांग की।

रियायत | अब सलाखों से बाहर निकलकर कमाएंगे पैसा,अच्छे आचरण का मिलेगा ईनाम

यूपी में जेल में बंद कैदियों के लिए नई पहल

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सेंट्रल जेल में बंद कैदियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है। जेल प्रशासन की पहल पर अब उन्हें कैद से बाहर निकाला जाएगा और उनसे रोजगार कराकर आचरण में सुधार और पुनर्वास का का मौका दिया जाएगा। जल प्रशासन के प्रयास की लोक प्रशंसा कर रहे हैं। गोरखपुर जेल प्रशासन द्वारा नई पहल करते हुए सजायाफ्ता कैदियों के लिए एक नई योजना तैयार की है, इसके तहत अच्छे आचरण और अनुशासित कैदियों को जेल की चारदीवारी से

बाहर निकाल कर रोजगार कराया जाएगा। इसके लिए जेल प्रशासन की तरफ से दो पेट्रोल पंप खोले जा रहे हैं। इन पेट्रोल पंपों पर यह कैदी काम करेंगे, इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरा से कराई जाएगी और फिर शाम को उन्हें वापस जेल पहुंचा दिया जाएगा। कैदियों के सामाजिक आचार विचार और व्यवहार की मॉनिटरिंग की जाएगी और फिर उन्हें इसका इनाम भी दिया जाएगा।

इस बारे में जेल अधीक्षक दिलीप पांडेय ने बताया कि कैदियों की स्क्रीनिंग कराई जा रही है, सजायाफ्ता अच्छे व्यवहार वाले कैदियों को जेल प्रशासन द्वारा खोले जा रहा है तीन पेट्रोल पंपों पर रोजगार दिया जाएगा। इसकी लिस्ट शासन को भेजी गई है। इस बात की मंजूरी मिलते ही आगे की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इस निर्णय का फायदा लंबे समय से सजा काट रहे कैदियों को अवसाद से बाहर निकालने में मिलेगा। ताकि सामाजिक परिवेश में फिर से इन्हें ढाला जा सके और इनके जीवन में सुधार लाया जा सके। इस तरह की पहल विदेशो में पहले से चल रही है। जहां कैदियों को जेल से बाहर निकाल कर रोजगार कराया जाता है। यहां जिला कारागार में भी होने वाली खेती में कैदी काम करते थे, लेकिन अब इन्हें बाहर भी निकाला जाएगा।

औरंगजेब की तारीफ पर महाराष्ट्र में बरपा हंगामा

सपा विधायक अबू आजमी पर भड़के नेता,सस्पेंड करने की डिमांड

मुंबई (एजेंसी)। सपा विधायक अबू आजमी की ओर से मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर महाराष्ट्र विधानसभा में मंगलवार को हंगामा मच गया। उन्होंने कहा था कि औरंगजेब का शासन इतना अच्छा था कि उसके दौर में भारत सोने की चिड़िया था। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर से विधायक ने दावा किया था, 'हमारा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) दुनिया का 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के शासनकाल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था।' महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' के सदस्यों ने मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने के लिए मंगलवार को सपा के विधायक अबू आसिम आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने की मांग की। इस मुद्दे पर हंगामा इतना बरपा कि कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने दावा किया कि आजमी औरंगजेब के वंशज हैं।

पाकिस्तानी युवती के जाल में फंसा रेलवे का कर्मचारी

- देश के खिलाफ करने लगा जासूसी, अब फंसा शिकंजे में

जयपुर (एजेंसी)। बीकानेर में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले रेलवे कर्मचारी को राजस्थान इंटेलिजेंस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भवानी सिंह को पाकिस्तानी युवती ने हनीट्रैप में फंसाया। रेलवे कर्मचारी पैसों के लालच में सोशल मीडिया के जरिए महिला एजेंट से संपर्क में रहा। वह सेना की गतिविधियों की गोपनीय जानकारी दे रहा था। इसके बदले भवानी सिंह आईएसआई से पैसा ले रहा था। इंटेलीजेंस अधिकारियों ने बताया- पाकिस्तानी एजेंसियों की ओर से राज्य में की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर निगरानी के दौरान इस कॉल को ट्रेस किया था। इसके बाद इंटेलीजेंस की टीम आरोपी भवानी सिंह तक पहुंची। जो रेलवे में पॉइंटमैन के पद पर काम कर रहा था। रेलवे कर्मचारी कई महीनों से निमी नाम की पाकिस्तानी युवती के संपर्क में था।

यूजीसी ने तैयार किया ड्राफ्ट,आप भी दे सकते हैं सुझाव

कॉलेजों में अब रुकेगा जाति के आधार पर भेदभाव!

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यूनिवर्सिटी ग्रांड कमिशन (यूजीसी) ने एक मसौदा तैयार किया है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव से संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह जाति के आधार पर भेदभाव और अन्य संबंधित समस्याओं को प्रभावी ढंग से सुलझाने के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाना चाहता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि यूजीसी ने कुछ चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मसौदा नियम तैयार किए हैं। ये सुझावों के लिए प्रकाशित किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता, हस्तक्षेपकर्ता या कोई अन्य इच्छुक व्यक्ति अपने सुझाव यूजीसी को भेज सकते हैं। उन्हें उचित रूप से विचार में लिया जाएगा।

जवाब नहीं दिया तो रद्द हो सकती है मान्यता!- कोर्ट ने पहले यूजीसी को केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों से समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना और शिकायतों के आंकड़े एकत्र करने को कहा था। सीनियर वकील इंदिरा जयसिंह ने बताया कि 40 फीसदी विश्वविद्यालयों और 80 फीसदी कॉलेजों

ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई संस्थान जवाब नहीं देता, तो इसे यह समझा जाएगा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यूजीसी को पर्याप्त शक्तियां प्रदान की जाती हैं, जिसमें किसी संस्थान की संबद्धता रद्द करने की शक्ति भी शामिल हो, तो यह प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या की घटनाओं पर चिंता जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई मई 2025 में तय की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 3 जनवरी को रोहित वेमुला और पायल तड़वी की मां की ओर से दाखिल याचिका पर यह निर्देश दिए थे।

बुलडोजर ऐक्शन पर फंस गई भगवंत मान सरकार

- अपराधियों के खिलाफ कर रही थी कार्रवाई,एचसी ने मांगा जवाब

चंडीगढ़ (एजेंसी)। नशा तस्करों की संपत्तियों पर बुलडोजर ऐक्शन को लेकर पंजाब की भगवंत मान सरकार फंसती नजर आ रही है। पीपल वेलफेयर सोसायटी द्वारा दायर याचिका को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मान सरकार से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश शील नागु और न्यायमूर्ति सुमीत गोयल की खंडपीठ ने पंजाब सरकार, पंजाब परिवहन विभाग के सचिव, लुधियाना पुलिस कमिश्नर और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, चंडीगढ़ के जोनल डायरेक्टर को नोटिस जारी किया है और जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इस मामले में क्या प्रभाव है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि यह निर्णय किसी भी आरोपी के खिलाफ बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए संपत्ति को ध्वस्त करने पर रोक लगाता है, जिसे पंजाब पुलिस को भी मानना चाहिए।

सचिन को नाखूनों से नोचा...

- जान बचाने के लिए खूब लड़ी थी कांग्रेस नेत्री
- हिमानी नरवाल हत्याकांड में पुलिस का खुलासा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि सचिन ने मोबाइल फोन के चार्जर की तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस दौरान अपनी जान बचाने के लिए हिमानी ने खूब संघर्ष

किया था। इस दौरान हिमानी के नाखून लगने से सचिन के हाथों पर भी चोटें आई थी। इससे सचिन का खून निकल आया था। सचिन का खून वहां पड़ी रजाई पर लग गया था। इस कारण सचिन ने रजाई का कवर उतारकर उसे भी सूटकेस में शव के साथ ही पैक कर दिया था। इसके बाद वो हिमानी की स्कूटी लेकर कानौन्दा स्थित अपनी दुकान पर चला गया। साथ में वह हिमानी की अंगूठियां, सोने की चेन, मोबाइल, लैपटॉप व अन्य आभूषण एक बैग में लेकर गया। फिर दोबारा आकर हत्या की।

समाजसेवी गोपाल कृष्ण झा का निधन

- पंचतत्व में हुए विलीन
- समाजसेवियों, पत्रकारों व शुभचिंतकों ने दी श्रद्धांजलि

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। बिरसा चौक स्थित सेंट पीटर्स कॉलोनी निवासी जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल कृष्ण झा का निधन सोमवार (3मार्च,2025) को देर रात्रि एचईसी परिसर स्थित पारस अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वह प्रोस्ट्रेट कैंसर से पीड़ित थे। मुंबई स्थित एक कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सक की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था। हाल में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। विगत लगभग एक सप्ताह से वह पारस एचईसी अस्पताल में इलाजरत थे। विदित हो कि स्व.झा ने भारतीय सेना व सीसीएल में भी अपनी सेवाएं दी। सेवानिवृत्ति के बाद वह सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने लगे। वह पत्रकारों के अखिल भारतीय संगठन इंडियन जर्नलिस्ट फेडरेशन से भी जुड़े रहे। कोरोना संक्रमण काल के दौरान स्व.झा अपनी जान की परवाह किए बिना पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य किया।

पंचतत्व में हुए विलीन : स्व.गोपाल कृष्ण झा मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनकी अंत्येष्टि सीठियो घाट (धुर्वा) पर की गई। उनके पुत्र गौरव झा (गोलू) ने मुखाग्नि दी। स्व.झा एक पुत्र व एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर वरिष्ठ पत्रकार सुमन कुमार, ललन कुमार मिश्र, नवल किशोर सिंह, समाजसेवी जयंत झा(जप्पू), दीपक प्रसाद, रामाशंकर प्रसाद, विजय शर्मा,अजय सिन्हा, पप्पू चक्रवर्ती, बोस दा, जयंत झा सहित काफी संख्या में शुभचिंतकों व अन्य परिजनों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

आकाश इनविक्टस अल्टीमेट जेईई प्रिपरेशन प्रोग्राम लॉन्च

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने ÷आकाश इन्विक्टस÷ का शुभारंभ किया है। यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उच्च-स्तरीय, व्यक्तिगत, एआई आधारित और परिणाम-केंद्रित कार्यक्रम आइआइटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है।

आकाश इन्विक्टस÷ लगभग 500 सबसे अच्छे जेईई शिक्षक एक साथ लाता है, जो एक लाख से ज्यादा छात्रों को आईआईटी में सफलता दिलाने में मदद कर चुके हैं। ये शिक्षक छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसका पाठ्यक्रम अत्याधुनिक है और इसे उन छात्रों के लिए खास तौर पर डिज़ाइन किया गया है, जो टॉप आईआईटी रैंक हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। इस प्रोग्राम में फिजिटल लर्निंग और विशेष अध्ययन सामग्री शामिल हैं, जो जेईई एडवांस की सटीक, एआई-सक्षम और अनुकूली तैयारी को सुनिश्चित करते हैं।

इस प्रोग्राम में एक कम्प्रीहेंसिव रिविजन और टेस्टिंग मॉड्यूल शामिल है, जो परीक्षा के फाइनल स्टेज़ से पहले टार्गेटेड प्रेपरेशन पर फोकस करता है। स्टूडेंट्स को स्पेशल कोर्स, डाउट-सॉल्विंग सेशन्स और उनके परफॉर्मेंस को मैक्सिमाइज करने के लिए ध्यान से डिज़ाइन की गई टेस्ट सीरीज़ का बेनिफिट मिलेगा। ÷आकाश इन्विक्टस÷ में छोटे बैच होंगे, जिससे छात्रों को अधिक व्यक्तिगत ध्यान मिल सके और उनकी हर जरूरत को सही तरीके से पूरा किया जा सके। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और सीईओ दीपक मेहरोत्रा ने प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷आकाश इन्विक्टस÷ केवल एक कोचिंग प्रोग्राम नहीं है; यह उन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा है, जो शीर्ष आईआईटी रैंक हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। ये प्रोग्राम दशकों के एक्सपीरियंस, एडवांस्ड टीचिंग मेथड्स और पर्सनलाइज्ड, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन को टॉप-लेवल फैकल्टी के साथ जोड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को शीर्ष आईआईटी में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त की है। अध्ययन सामग्री को पूरी तरह से नए तरीके से तैयार किया गया है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम शामिल है और इसे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों ने विकसित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह सर्वोत्तम है - यदि आप बेहतर सामग्री तैयार कर सकते हैं, तो हम आपको पुरस्कृत करेंगे और हमारी टीम में आपका स्वागत करेंगे।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷कुछ महीने पहले शुरू हुए इस कार्यक्रम ने पहले ही 2500 से ज्यादा टॉप छात्रों को अपनी ओर आकर्षित किया है। तीन प्रमुख स्तंभों - नवाचारपूर्ण शिक्षण विधि और पाठ्यक्रम, एक्सपर्ट फैकल्टी और एडवांस्ड टूल्स - पर आधारित ÷आकाश इन्विक्टस÷ जेईई की तैयारी में नए मानक स्थापित करेगा। ये सभी नए फीचर्स आकाश की विश्वसनीयता, विश्वास और तकनीकी विशेषज्ञता द्वारा पूरी तरह से समर्थित हैं।÷

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण अध्ययन संसाधनों में नवाचार पर इसका विशेष ध्यान है। छात्रों को क्यूआर कोड के साथ सम्मिलित अध्याय-वार अभ्यास वर्कशीट प्रदान की जाएंगी, जो डिटेल्ड सॉल्यूशंस और स्टेप-बाय-स्टेप मार्किंग स्कीम हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र न केवल जेईई की तैयारी में बल्कि स्कूल और बोर्ड परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। करें। एडिशनल फीचर्स में कम्पटीटिव ओलंपियाड के लिए वर्कशॉप्स, चैप्टर-वाइज एनालिसिस और सॉल्यूशन्स के साथ पिछले जेईई क्वेश्चन पेपर्स का एक बड़ा कलेक्शन और जेईई चैलेंजर रिसोर्सेज शामिल हैं, जो स्टूडेंट्स को उनकी स्ट्रैटेजी सुधारने के लिए डीप इंफॉर्मेशन, प्रैक्टिस क्वेश्चन्स और एनालिसिस प्रोवाइड करता है।

इसके अलावा, यह प्रोग्राम फिजिकल और डिजिटल रिसोर्सेज की ताकत को मिलाकर कंप्लिकेटेड प्रॉब्लम्स को सिंपल बनाने के लिए फिजिकल स्टडी मटेरियल को इंटीग्रेट करता है, और फ्लेक्सिबल, डिमांड-आधारित लर्निंग के लिए एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर्स प्रोवाइड करता है।

आकाश इन्विक्टस÷ में एंट्री बहुत ही सलेक्टिव है, स्टूडेंट्स को एक स्पेशल एंट्रेंस एग्जाम के जरिये चुना जाता है ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि केवल सबसे टैलेंटेड और कमिटेड माइंड्स ही प्रोग्राम में शामिल हों। 11वीं में ज्वाइन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए दो साल का प्रोग्राम और 10वीं में ज्वाइन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए तीन साल का प्रोग्राम डिज़ाइन किया गया है।

गोड्डा में कल्याण ज्वैलर्स के शोरूम का शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,गोड्डा। कल्याण ज्वैलर्स ने गोड्डा में अपने नए शोरूम भागलपुर रोड, (एचपी पेट्रोल पंप के पास) का शुभारंभ किया। इस विस्तार के साथ ब्रांड झारखंड बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति और प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। नया शोरूम ग्राहकों के लिए विभिन्न कलेक्शनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। ग्राहक यहां विश्वस्तरीय माहौल और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक बेहतरीन शॉपिंग अनुभव का आनंद ले सकते हैं। इस अवसर पर, कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, ÷गोड्डा में कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य ग्राहकों की अनूठी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक ऐसा व्यापक इकोसिस्टम बनाना है, जिससे उनकी खरीदारी का अनुभव और भी शानदार हो सके। हम लगातार आगे बढ़ते हुए अपने ग्राहकों को विश्वस्तरीय माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही हम कंपनी के विश्वास और पारदर्शिता के मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ खरीदारी की पेशकश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।% इस शुभ अवसर पर, कल्याण ज्वैलर्स ने मेकिंग चार्जेस पर फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। नये शोरूम में लोकप्रिय हाउस ब्रांड्स की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2025 में 4,22,449 यूनिट्स बेची

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2025 के अपने बिक्री आंकड़े जारी किए।फरवरी 2025 में कंपनी की कुल बिक्री 4,22,449 यूनिट्स रही। इसमें 3,83,918 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 38,531 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।यह उल्लेखनीय है कि एचएमएसआई की वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल 2024 - फरवरी 2025) की अब तक की कुल बिक्री 54,04,216 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जिसमें 49,25,241 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 4,78,975 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। फरवरी 2025 में एचएमएसआई की मुख्य उपलब्धियां- प्रोडक्ट- एचएमएसआई ने उन्नत नए फीचर्स के साथ OBD2B अनुकूलित शाइन 125 और हौरनेट 2.0 के अपडेटेड वर्जन पेश किए।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम16 5जी और गैलेक्सी एम06 5जी लॉन्च किया

रांची। सैमसंग ने दो नए स्मार्टफोन गैलेक्सी एम16 5जी और गैलेक्सी एम06 5जी लॉन्च करने की घोषणा की। ये दोनों स्मार्टफोन अपने सेगमेंट में बेहतरीन फीचर्स के साथ आते हैं। बेहद लोकप्रिय गैलेक्सी एम सीरीज में शामिल ये नए डिवाइस स्टाइल और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का शानदार मेल हैं, जो हर यूजर के लिए नए अनुभव और संभावनाएं लेकर आते हैं।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के जनरल मैनेजर अक्षय एस राव ने कहा, ÷गैलेक्सी एम16 5जी और गैलेक्सी एम06 5जी बेहतरीन इनोवेशन और दमदार परफॉर्मेंस के साथ आते हैं, जो एम सीरीज की पहचान हैं। नया डिजाइन और दमदार हार्डवेयर इन डिवाइसेस को स्टाइलिश और परफॉर्मेंस के मामले में बेहतर बनाते हैं। इनमें मीडियाटेक डाइमेंनसिटी 6300 प्रोसेसर और सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के लिए फुल 5जी सपोर्ट मिलता है। गैलेक्सी एम16 5जी एफएचडी+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले, 6 जेनरेशन के ओएस अपग्रेड और टैप एण?ड पे जैसी नई सुविधाओं के साथ एक नया बेंचमार्क सेट करता है।

गैलेक्सी एम16 5जी में 6.7 इंच का एफएचडी+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले है, जो शानदार कलर कॉन्ट्रास्ट और बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस देता है। अडैप्टिव हाई ब्राइटनेस मोड यह सुनिश्चित करता है कि यूजर तेज धूप में भी अपने पसंदीदा कंटेंट का आनंद ले सकें। गैलेक्सी एम06 5G में 6.7 इंच का एचडी+ डिस्प्ले है, जो सोशल मीडिया ब्राउज़िंग और वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए बेहतरीन अनुभव देता है। गैलेक्सी एम16 5जी और गैलेक्सी एम06 5जी दोनों में नया लीनियर ग्रुप्ड कैमरा मॉड्यूल, बोल्ड लेकिन बैलेंस्ड कलर पैलेट और प्रीमियम फिनिश है।

सेल में मनाया गया 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

स्वीकार्य निर्माताओं की सूची जारी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। सेल सुरक्षा संगठन, रांची द्वारा मंगलवार को 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सेल एमटीआई में मनाया गया। इस अवसर पर सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने औपचारिक सुरक्षा ध्वज फहराया। मौके पर अनिर्बान दासगुप्ता निदेशक प्रभारी (भिलाई एवं दुर्गापुर और बर्नपुर का अतिरिक्त प्रभार), वीएस चक्रवर्ती, निदेशक (वाणिज्यिक), एके तुलसियानी, निदेशक (वित्त), केके सिंह, निदेशक (कार्मिक), बीके तिवारी, निदेशक प्रभारी (बोकारो), एमआर गुप्ता निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएं एवं कच्चा माल), आलोक वर्मा, निदेशक प्रभारी (राउरकेला), अनूप कुमार कार्यपालक निदेशक (सेल सुरक्षा संगठन), सेल के सभी संयंत्रों एवं इकाइयों के कार्यपालक निदेशक, सेल की रांची इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री प्रकाश और श्री दासगुप्ता द्वारा सुरक्षा शपथ क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में उपस्थित लगभग 200 से अधिक कर्मचारियों को दिलाई गई।

स्वीकार्य निर्माताओं की सूची जारी

सेल में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में, उपरोक्त कार्यों के अलावा सेल के निदेशकों ने एसके वर्मा, ईडी (सीईटी) के साथ सेल के संयंत्रों/इकाइयों में परियोजना निष्पादन के दौरान खरीदे गए उपकरणों और आपूर्ति के स्वीकार्य निर्माताओं की सूची का अनावरण किया। यह सूची सीईटी, सेल द्वारा तैयार किए गए निर्माताओं को मानकीकृत करने का एक प्रयास है। यह कार्यक्रम एमटीआई, सेल में चल रही वार्षिक बिजनेस प्लान बैठक के दौरान आयोजित किया गया था।

राज्यपाल के ओएसडी ने की विभावि में एलएलएम प्रवेश परीक्षा संबंधी शिकायत की जांच

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति के विशेष कार्य पदाधिकारी (न्यायिक) एमसी नारायण का सोमवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में आगमन हुआ। हाल में आयोजित एलएलएम की प्रवेश परीक्षा से संबंधित शिकायत पर जांच करने के उद्देश्य से वह विश्वविद्यालय आए।परीक्षा के संचालन में धांधली का आरोप लगाकर कुलाधिपति के कार्यालय में शिकायत पत्र समर्पित किया गया था। इसी शिकायत पत्र पर संज्ञान लेते हुए कुलाधिपति के विशेष कार्य पदाधिकारी (न्यायिक) ने सोमवार को विश्वविद्यालय का दौरा किया।विश्वविद्यालय पहुंचकर एमसी नारायण ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार, परीक्षा के नोडल पदाधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार, छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार, केंद्र अधीक्षक डॉ गंगानन्द सिंह एवं कार्यवाहक कुलसचिव से उक्त विषय पर विस्तार से विमर्श किया। कई प्रकार के प्रश्न भी पूछे गए।अधिकारियों ने उनको उक्त परीक्षा से संबंधित सारे कागजात एवं मांगे गए दस्तावेज दिखाएं।

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया था की परीक्षा के समय बाहरी लोगों का निर्बाध आना-जाना लगा हुआ था तथा विद्यार्थियों से चोरी करवाई जा रही थी।विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने उनको बताया कि परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता बढ़ती गई थी तथा किसी प्रकार का कोई भी कदाचार नहीं हुआ। बताया कि सभी आरोप निराधार है। यह भी बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी अनअधिकृत व्यक्ति को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया था। भवन में सभी कक्षाएं उक्त दिन स्थगित कर दी गई थी। परीक्षा के समय परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार को लॉक रखा गया था।अधिकारियों ने राजभवन के श्री नारायण को बताया कि हजारीबाग सिविल कोर्ट से जुडिशल मजिस्ट्रेट महोदय ने भी परीक्षा के समय औचक निरीक्षण किया था।वह काफी समय तक परीक्षा केंद्र में मौजूद भी रहे। इसके अलावे जिला प्रशासन द्वारा पदस्थापित स्टेटिक मजिस्ट्रेट पूरे समय तक मौजूद रहे एवं बार-बार परीक्षा कक्षाओं का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि किसी भी प्रवेश परीक्षा के परीक्षार्थी ने कदाचार से संबंधित किसी प्रकार की कोई शिकायत समर्पित नहीं की है।

ज्ञात हो कि यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज स्ववित्तपोषित संस्थान है एवं सत्र 2022-24 में कुल 50 में से 24 स्थान पर नामांकन नहीं लेने से एवं सत्र 23-25 में एक भी नामांकन नहीं लेने के कारण महाविद्यालय को लगभग डेढ़ करोड़ रूपया का नुकसान हुआ है। इस सत्र में नामांकन नहीं लेने पर एक करोड रुपए का और नुकसान होता जिसका महाविद्यालय पर बहुत बुरा असर पड़ता।

बरही में नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ व बरही महोत्सव कलश यात्रा के साथ प्रारंभ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। बरही में भव्य कलश यात्रा के साथ धनबाद रोड स्थित अति प्राचीन व परम आस्था का प्रतीक मां भगवती मंदिर में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ के साथ 15 वां बरही महोत्सव शुक्रवार से शुरू हुआ। कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। सिर पर गंगाजल, आम्र पत्र व नारियल से सुसज्जित 551 कलश व जय माता दी जयकारे के साथ सूर्य मंदिर नदी पहुंचे। यहां वाराणसी से आए यज्ञाचार आचार्य जयनंदन मिश्र शास्त्री, ऋषिराज वेदव्यास मिश्र, उपाचार्य पंडित जगत किशोर मिश्र, पुरोहित कामेश्वर पंडित के वैदिक मंत्रोच्चारण बीच कलशों में पवित्र जल भरा गया। कलश यात्रा गाजे - बाजे के साथ बरही चौक के प्रमुख चारों मार्गों में भ्रमण करने के बाद यज्ञ स्थल पर विधिवत कलशों को स्थापित किया गया। ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ रखने में पुलिस निरीक्षक आभास कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल भी अहम भूमिका निभा रहे थे। कलश यात्रा में मुख्य पुजारी शिवशंकर कसेरा, संतोष केशरी, शिवकुमार केशरी, शंकर केशरी, विशेश्वर साव सहित उनकी पत्नियां थी। संरक्षक जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र रजक, भुनेश्वर साव के अलावा जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, राजसिंह चौहान, मुखिया मोतीलाल चौधरी, मुखिया विजय यादव, डॉ उमेश राम, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, आकाश जायसवाल, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव, यज्ञ कमिटी अध्यक्ष बिपिन कुमार सिन्हा,सचिव बलराम केशरी सचिव, कोषाध्यक्ष ब्रजकिशोर ठाकुर, उपाध्यक्ष नवलकिशोर सिंह, शिवा निषाद, महासचिव मनोज साव, उपाध्यक्ष में भगवान केसरी, शिवा संतोष निषाद, ब्रह्मदेव यादव, सिकंद यादव, अशोक यादव, अकाश जायसवाल, मनोज उपाध्याय, राजेश केसरी उर्फ मेवालाल व प्रमोद कुमार, कार्यकारिणी सदस्य रमेश श्रीवास्तव, अमित सोनी, बिरेंद्र राम राज, ह्तेश राज, अभिषेक निषाद, संजय यादव, रवि गुप्ता, पप्पू वर्णवाल, मनितोष यादव, उमेश रविदास, संतोष ठाकुर समेत दीपक भगत, अभिषेक निषाद, नंदकिशोर कुमार, पंकज बर्णवाल, सुषमा विश्वकर्मा, अशोक यादव, युगल यादव, प्रदीप चंद्रवंशी, विबेक गुप्ता, गुड्डू जायसवाल, हितेश राज, आकाश राज, पिंटू केशरी, संतोष निषाद, मनितोष यादव, श्याम सिन्हा, संजीव घोष,उपमुखिया मनोज उपाध्याय, संजय केशरी, रौनक जायसवाल, प्रमोद सिंह आदि मौजूद थे।

विधायक ने की वकीलों की समस्याओं के समाधान की मांग

अधिवक्ताओं को बुनियादी सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : प्रदीप प्रसाद

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,हजारीबाग। विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा के सत्र के दौरान राज्यभर के वकीलों की समस्याओं को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में 36 बार एसोसिएशन कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 35,000 से अधिक वकील न्यायिक प्रक्रिया में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन वकीलों का योगदान प्रशासनिक व न्यायिक तंत्र को सुचारू रूप से चलाने में अतुलनीय है, लेकिन इनके कार्यस्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि झारखंड राज्य के अधिकांश बार एसोसिएशन परिसरों में आधारभूत संरचना और आधुनिक सुविधाओं की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वकीलों को अपने कार्यस्थल पर बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।जिससे उनके कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। उन्होंने बताया कि कई बार एसोसिएशन परिसरों में पेयजल, शौचालय, वाई-फाई, पुस्तकालय, वातानुकूलित सुविधाएं बैठने की उचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं पार्किंग जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा, कई बार एसोसिएशनों में वकीलों के लिए चैंबर तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रदीप प्रसाद ने सदन में यह भी माँग की वकीलों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को राज्य में शीघ्र लागू किया जाए ताकि वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, उन्होंने सरकार से माँग की झारखंड के वकीलों को भी जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और आकस्मिक दुर्घटना बीमा जैसी योजनाओं का लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि वकील पूरे जीवन जनता को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन उनके स्वयं के हितों की रक्षा के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरकार से आग्रह किया कि राज्य के सभी बार एसोसिएशन परिसरों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए और इसके लिए एक निश्चित बजट आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक वकीलों को बेहतर कार्य वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक वे न्यायिक प्रक्रिया में प्रभावी योगदान नहीं दे पाएँगे। उन्होंने सरकार से माँग की बार एसोसिएशनों के विकास के लिए एक विशेष अनुदान योजना बनाई जाए, जिससे वकीलों को आधारभूत संरचना और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्रदीप प्रसाद ने सरकार से अपील की वह इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाए।

ब्रह्मर्षि समाज का होली मिलन समारोह नौ मार्च को

- गायिका मनिताश्री करेंगी धमाल
- आयोजन की तैयारी को लेकर हुई बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। ब्रह्मर्षि समाज द्वारा रंग व राग का रंग- बिरंगा पर्व होली से पूर्व होली मिलन समारोह-2025 का आयोजन 09 मार्च (रविवार) को हजारीबाग शहर के परिसदन सभागार से पूर्व अवस्थित होटल प्रोवेश रिसोर्ट परिसर में आयोजित किया जाएगा। इसके तैयारी को लेकर ब्रम्हर्षि समाज, हजारीबाग के आयोजन समिति से जुड़े लोगों का एक बैठक दीपूगढ़ा स्थित समाज के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश सिंह के आवासीय परिसर में मंगलवार की सुबह हुई। जिसमें विशेषरूप से ब्रह्मर्षि समाज के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश सिंह, होली मिलन समारोह के संयोजक कन्हैया कुमार, सचिव कन्हैया शर्मा, प्रकाश शर्मा, रंजन चौधरी, डा आनन्द शाही, हिटलर शाही, कौशल किशोर सिंह, अजय शर्मा, बलराम सिंह, विजय शर्मा, ब्रजकिशोर सिंह, प्रफुल सिंह, गिरिजेश शर्मा,दिनेश्वर सिंह, प्रवीण सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए और आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया ।इस होली मिलन समारोह में रंग- भंग संग जमकर अबीर-गुलाल उड़ेगा वहीं पारंपरिक वाद्य यंत्रों संग फगुआ गीतों का रंग बिरंगा धमाल होगा वहीं मशहूर लोकगीत गायिका मनिता श्री और उनकी टीम का फाल्गुनी प्रस्तुति में लोग होलियाना मूड में झूम उठेंगे। आयोजन समिति की ओर से भारतीय और झारखंड पारंपरिक व्यंजन पुआ- धुस्का, कचरी- बर्रा, पकौड़ी का लोग सामूहिक रूप से स्वाद चखेंगे और एक- दूजे से गले मिलकर और रंग लगाकर होली की बधाई देंगे एवं होली के संदेश अपने अंदर के बुराई को मारकर अच्छाई को अमल करने सामाजिक समरसता बिखेरने का संकल्प भी लेंगे।

अबुआ बजट राज्यहित में : विजय शंकर नायक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए पेश किया गया अबुआ बजट राज्य हित में है। उन्होंने कहा कि बजट की राशि का आकार बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन बजट की राशि शत प्रतिशत खास कर योजनामद की राशि खर्च नहीं होना राज्य के लिए शुभ नहीं है। इसलिए सरकार इसपर विशेष फोकस करे और शत प्रतिशत बजटीय राशि खर्च हो, इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार करे ।

श्री नायक ने कहा कि राज्य सरकार के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा 1,45,400 करोड़ रुपए का बजट पेश किया जाना स्वागत योग्य है। यह बजट राज्यहित में ऐतिहासिक क्रान्ति लायेगी। जब सम्पूर्ण योजनामद की राशि खर्च होगी। उन्होंने कहा कि वित्तमंत्री ने विकास दर में वृद्धि के लिए सभी विभागों को प्राथमिकता दिया है। सामान्य क्षेत्र,सामाजिक क्षेत्र एवं आर्थिक क्षेत्र के साथ साथ मईया सम्मान योजना , ग्रामीण विकास ,खेलकूद, में काफी फोकस किया गया है। निश्चित रूप से भविष्य में यह बजट लोगों के लिए जनकल्याणकरी साबित होगा।

इससे राज्य का विकास दर तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेली साहु समाज का होली मिलन सह प्रतिभा सम्मान समारोह नौ मार्च को

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। कुंज बिहारी साहू पूर्व लोकसभा प्रत्याशी हजारीबाग एवं वरिष्ठ समाजसेवी कोलेश्वर साहू ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की बड़कागांव स्थित रूक्मणी भवन आशा बाजार में आगामी 9 मार्च दिन रविवार को तेली साहू होली मिलन सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा । 1 बजे से 2 बजे तक प्रतिभा सम्मान समारोह एवं 2 बजे से 5 के बीच होली मिलन समारोह काआयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथियों के लिए पकवान मिठाई की व्यवस्था की गई है। कुंज बिहारी साहू ने तेली समाज से आग्रह करते हुए कहा की बड़कागांव में होली मिलन समारोह की भव्य समारोह मानने की तैयारी की जा रही है, जिसमें तेली समाज और सामाजिक कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुंज बिहारी साहू पूर्व लोकसभा प्रत्याशी हजारीबाग मौजूद रहेंगे।

उपायुक्त का लगा जनता दरबार, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुँचे फरियादी

आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये गये निर्देश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,हज़ारीबाग़। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये। इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये आवेदकों ने एलपीसी निर्गत, भूमि विवाद, पीडीएस दुकान, दाखिल खारिज, अनुकम्पा पर नौकरी, दिव्यांग लाभ, जबरन गुमटी हटाने आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की।

गाली-गलौज एवं धमकी से राहत दिलाने की मांग-बरही धाबी टोला के सिकन्दर साव ने कुछ लोगों के द्वारा जबरन गुमटी हटाने गाली-गलौज एवं धमकी देने के संबंध में आवेदन देकर राहत की मांग की जिसपर उपायुक्त ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी को प्रेषित करते हुए जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं दारू प्रखण्ड की जरीना खातुन ने एलपीसी निर्गत करने, चेतलाल यादव विष्णुगढ़ ने भूमि अतिक्रमण, मार्खम कॉलेज हनुमान नगर के सीता राम गुप्ता ने पीडीएस दुकान पुत्र के नाम करने, नेहा कुमारी ने अनुकम्पा के आधार पर नौकरी, चौपारण के कैलाश प्रसाद दाखिल खारिज, सरैया पदमा की रिंकी देवी ने कस्तुरबा गांधी स्कूल पदमा में रसाईया के पद में योगदान देने, परसी ईचाक के सुनिल बैध ने बंदोबस्त कार्यालय से भूमि संबंधी दस्तावेज दिखाने इत्यादि से संबंधित आवेदन देकर इसके समाधान का अनुरोध किया। मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि को लेकर जिप सदस्य ने किया अंचलाधिकारी के साथ बैठक

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बिशुनपुरा(गढ़वा)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य विकास योजनाओं को लेकर जिप सदस्य शंभु राम चंद्रवंशी ने अंचलाधिकारी सह बीडीओ राजेश कुमार एवं सभी कर्मियों के साथ प्रखंड के सभागार में बैठक किया। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य विकास योजनाओं की जानकारी ली। बैठक के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि के लाभुकों का जो राशी अभी तक नही मिला है वहीं कई किसानों को अयोग्य होने का मैसेज आया है उस पर चर्चा की गई। बैठक में जिप सदस्य शंभु राम चंद्रवंशी ने कहा कि बिशुनपुरा सहित अन्य प्रखंडों से जिले के बाहर के किसानों का फर्जी तरीके से निबंधन की शिकायत विभाग से की गई थी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिसकी जांच चल रही है। जिसके कारण जिले के किसानों का अभी तक राशि प्राप्त नही हुआ है। कहा की जल्द ही योग्य किसानों के खाते में सम्मान निधि की राशि चली जायेगी। जबकि बिचौलियों द्वारा अफवाह फैलाया जा रहा कि मैंने किसानों का नाम कटवा दिया है। जो सरासर गलत है। वही अंचलाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि अंचल स्तर से किसी भी लाभुक का पेमेंट स्टॉप नही किया गया है। वही लाभको के सत्यापन हेतु एक कमिटी बनाई गई है। जो ग्राम या पंचायत स्तर पर जाकर योग्य लाभुकों का सत्यापन करेगी। इसके बाद आगे की करवाई की जाएगी। बैठक में इसके अलावे अबुवा आवास, पेंशन, मनरेगा सहित अन्य विकास योजनाओं पर चर्चा की गई। मौके पर बैठक में सभी अंचल एवं प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

15 वें वित्त एवं पंचायती राज अंतर्गत चल रहे कार्यों को लेकर बीडीओ ने किया समीक्षा बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,पाकुड़। सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने सभागार कक्ष में 15 वें वित्त एवं पंचायती राज अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक किया।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत व्यय राशि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। ग्राम पंचायत में संचालित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र, आदर्श पंचायत सचिवालय, बायोमैट्रिक उपस्थिति, ग्राम पंचायत विकास अभियान 2024 अंतर्गत वीएलई द्वारा योजनाओं के प्रविष्टि की स्थिति, पंचायत ज्ञान केंद्र के अधिष्ठापन की स्थिति,पंचायत में संधारित विभिन्न ?रोकड़ बही की अद्यतन स्थिति, चापाकल एवं स्ट्रीट लाइट की मरम्मति, विद्यालय/ आंगनबाड़ी केंद्रों में हैंडवाश यूनिट का निर्माण, विद्यालय/ आंगनबाड़ी केंद्र/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ?क्रियाशील शौचालय की उपलब्धता, विद्यालय/ आंगनबाड़ी केंद्रों में वाटर फिल्टर का अधिष्ठापन, रॉयल्टी/डीएमएफटी/लेबर सेस, ऑडिट फी का भुगतान एवं भारत नेट रिचार्ज से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद, सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता,सभी पंचायत सचिव एवं अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड समन्वयक ने किया पंचायत सचिवालय का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा – निर्देश

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। मंगलवार को प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद आनंद प्रकाश द्वारा पाकुड़ प्रखंड के रहसपुर ग्राम पंचायत के सचिवालय भवन का निरीक्षण कर मुखिया,उप मुखिया एवं वार्ड सदस्यों के साथ बैठक कर कई आवश्यक दिशा - निर्देश दिया। बैठक में पंचायत राज स्वशासन परिषद आनंद प्रकाश ने ग्राम पंचायत के स्थायी समिति एवं ग्राम पंचायत समन्वय समिति की हर माह बैठक करने का निर्देश दिया। ग्राम पंचायत विकास योजना हेतु तैयार वार्षिक कार्य योजना को वीएलई के माध्यम से पंचायत भवन से ही प्रविष्टि कराना सुनिश्चित करें। मुखिया एवं पंचायत सचिव अपना डीएससी अपने पास रखें एवं पंचायत भवन में अपनी उपस्थिति में योजनाओं में भुगतान करावें। साथ ही पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना से पंचायत सचिवालय को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। पंचायत सचिव पंचायत सचिवालय से नियमित रूप से बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करें। पंचायत में क्रियान्वित योजनाओं के लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र को अविलंब जमा करने का निर्देश दिया गया।

आगामी बंशीधर महोत्सव मनाने हेतु आवश्यक तैयारियों पर चर्चा

- जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक संपन्न
- जिले के अधिसूचित पर्यटन स्थल को नियमानुसार अपग्रेड करने पर विचार विमर्श

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला अंतर्गत अधिसूचित पर्यटक/तीर्थ स्थलों के विकास के संदर्भ में विचार विमर्श हेतु उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन समिति (डीटीपीसी) गढ़वा की बैठक समाहरणालय के सभाकक्ष में आहूत की गई, जिसमें उपस्थित जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद के सदस्यों द्वारा अपने-अपने प्रस्ताव व सुझाव के साथ बैठक में भाग लिया गया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से प्राप्त योजना प्रस्ताव के अंतर्गत अधिसूचित पर्यटक स्थल को नियमानुसार अपग्रेड करने पर विचार विमर्श किया गया। इसके तहत सदर प्रखंड के गढ़देवी मंदिर को ष्ट श्रेणी से बदलकर क्श्रेणी में पारित करने का प्रस्ताव दिया गया। वहीं श्री बंशीधर नगर के राजा पहाड़ी मंदिर एवं गढ़वा प्रखंड के बाबा खोनहरनाथ मंदिर को ष्ट श्रेणी से हटाकर ष्ट श्रेणी में अपग्रेड करने पर विचार विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त माँ गढ़देवी महोत्सव एवं खोनहरनाथ महोत्सव को राजकीय महोत्सव घोषित करने के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किये गयें। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष अवसरों के आयोजन, पर्यटक स्थलों के बेहतर प्रबंधन, रंग-रोगन एवं रख-रखाव, (DTPC) कार्यालय के संचालन हेतु विभिन्न गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही गढ़वा जिला मे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु "Garhwa Sacred Route" (गढ़वा पवित्र परिपथ) को एक Intra Religious Circuit के रूप में जोड़ने एवं विकसित करने पर भी विचार विमर्श किया गया। जिले कुछ अन्य पर्यटन व तीर्थ स्थलों को भी ष्ठ श्रेणी में अधिसूचित करने का प्रस्ताव प्राप्त है, जिसमें मंझिऑव प्रखण्ड अंतर्गत बूढ़ीखाड़ मंदिर एवं खजूरी डैम, गढ़वा प्रखण्ड अंतर्गत बलहा-बलही डैम (मिनी गोवा), जुड़वनीया शिव मंदिर, दानरों नदी छठ घाट, शिव ढोंढा मंदिर, राम बांध तालाब, सोनपुरवा, श्री बिहारी मंदिर, श्री शनि देव मंदिर, माँ अन्नपूर्णा मंदिर, नगर उंटारी प्रखण्ड अंतर्गत डेमाराज डैम, धुरकी प्रखण्ड अंतर्गत पनघटवा डैम एवं मेराल प्रखण्ड अंतर्गत शायरदेवी धाम शामिल है। उक्त बैठक में श्री बंशीधर महोत्सव मनाने को लेकर आवश्यक तैयारी पर विचार विमर्श किए गए तथा उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए। श्री बंशीधर महोत्सव को धूमधाम से मनाने को लेकर श्री बंशीधर नगर समेत गढ़वा शहर एवं जिले के अन्य जगह पर विशेष साफ सफाई अभियान चलाने, साज-सज्जा, लाइटिंग, डेकोरेशन, महोत्सव के वृहद प्रचार प्रसार करने, सड़कों को अतिक्रमणमुक्त कराने, हेलीपैड निर्माण, अथितियों के लिए रहने की व्यवस्था, गोसाईं बाग मैदान में महोत्सव की तैयारी करने आदि हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उक्त बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, पुलिस उपाधीक्षक यशोधरा, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, श्री बंशीधर नगर एवं रंका, वन प्रमंडल पदाधिकारी गढ़वा उत्तरी एवं दक्षिणी, जिला नज़ारत उप समाहर्ता, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग (ग्रा0का0मा0), कार्य प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमण्डल, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद गढ़वा, नगर पंचायत श्री बंशीधर नगर समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

समाधान हेतु सम्बंधित पदाधिकारी को किया निदेशित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने आज समाहरणालय स्थित सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई एवं उसके निष्पादन हेतु उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को निदेशित किया। जनता दरबार में राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, बकाया मजदूरी भुगतान, अनुकम्पा आधारित नौकरी समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए लोगों की बारी-बारी से उपायुक्त द्वारा समस्या सुनी गई एवं यथाशीघ्र उनके समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया। सर्वप्रथम प्रखंड खरौंधी के ग्राम सुंडी से आए बसंत मिंज ने अपने आवेदन के माध्यम से उपायुक्त को बताया कि उन्हें 15वें वित्त से मुखिया के द्वारा चबूतरा निर्माण कराने को मिला था, जिसका कार्य दो माह पूर्व हो चूका है लेकिन अभी तक उन्हें इसकी राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अतः उन्होंने उपायुक्त से होली पर्व को देखते हुए इसका भुगतान कराने हेतु अनुरोध किया। वहीं रंका के नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय से आई आशा कुमारी तिग्गा ने अपना आवेदन देते हुए उपायुक्त को बताया कि उनके आवसीय विद्यालय में अनाथ, एकल माता-पिता, गरीब, उग्रवादी प्रभावित क्षेत्र तथा सुदूरवर्ती क्षेत्र के बच्चे अध्ययनरत है। उन्होंने बताया की उनके विद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था की कमी है। इस विद्यालय में चार दिवारी भी नहीं है। वे अकेले एक सौ छात्रों का देखभाल करती है। अतः उन्होंने उपायुक्त से छात्रों की सुरक्षा के मद्देनज़र अन्य कस्तूरबा विद्यालय की भांति इस विद्यालय में भी दो होमगार्ड उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया। नगर उंटारी प्रखंड के ग्राम पंचायत कोलझीकी से आये शिवपुजन चंद्रवंशी ने अपने आवेदन में बताया की उनकी पत्नी मीरा देवी के नाम से अबुआ आवास आवंटित है जिसका जियो टैग भी हो चुका है। उनकी पत्नी विकलांग है और वे लोग बहुत ही गरीब परिवार से आते हैं। उनके घर भी गिर गया है वह प्लास्टिक से घेर कर रह रहे हैं। उन्होंने बताया की आवास को लेकर मुखिया जी को रेकड दिया था किंतु उन्होंने ऑफिस में जमा नहीं किया, उसके बाद कोऑर्डिनेटर मैडम के द्वारा भी चार महीने बाद फिर से आवास को लेकर रेकड मांगा गया और अब पूछे जाने पर बताया जा रहा है कि जिला से लॉगिन छूटेगा तब होगा। अतः उन्होंने उपायुक्त से उनकी पत्नी को आवंटित अबुआ आवास को लॉगिन से छुड़ाने हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में आमजनों के विभिन्न समस्याओं से संबंधित 20 से अधिक मामले प्राप्त हुए। कुछ मामलों को लेकर उपायुक्त श्री जमुआर ने टेलीफोन माध्यम से संबंधित पदाधिकारी से बात कर आवश्यक निर्देश दिए तथा शेष आमजनों से प्राप्त शिकायतों के समाधान हेतु उन्होंने संबंधित पदाधिकारीयों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

मुकेश तनेजा बने रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के वर्ष 2027-28 के गवर्नर

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 (झारखंड एवं बिहार) के 111 क्लबों के लिए वर्ष 2027-28 के गवर्नर पद का चुनाव रविवार को पटना के चाणक्य होटल में हुआ। चुनाव में कुल 107 क्लबों के अध्यक्षों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों ने मतदान किया।

इस प्रतिष्ठित पद के लिए कुल छह उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की, जिनमें से दो झारखंड से और चार बिहार से थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रोटरी क्लब ऑफ रांची के पूर्व अध्यक्ष मुकेश तनेजा ने सबसे अधिक वोट प्राप्त कर विजयी होने का गौरव हासिल किया। उनके चयन के बाद पूरे झारखंड और बिहार में रोटरी क्लब ऑफ रांची की प्रतिष्ठा और प्रभाव का डंका बज उठा, और उन्हें देशभर से बधाइयां मिलने लगीं।

चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपिन चाचन, चुनाव पदाधिकारी गोपाल खेमका, राजीव मोदी, संजीव ठाकुर, राजन गंडोत्रा, दीपक डोकानिया आदि की अहम भूमिका रही, जबकि राजकुमार राजगढ़िया चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

निर्वाचित गवर्नर मुकेश तनेजा ने जीत के बाद रोटरी क्लब ऑफ रांची के सभी सदस्यों के साथ-साथ पूरे डिस्ट्रिक्ट के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपिन चाचन ने भी उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने तनेजा को पूर्ण समर्थन देने और उनके कार्यकाल को यादगार बनाने का संकल्प लिया।रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 को अब एक सशक्त नेतृत्व की ओर अग्रसर देखने की उम्मीद है, और मुकेश तनेजा के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कल्याण आवासीय विद्यालय में नामांकन संबंधी बैठक संपन्न

09 मार्च को वर्ग 6,7 तथा 8 के लिए आयोजित होगी परीक्षा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गढ़वा। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में दिनांक 04 मार्च 2025 को कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आश्रम विद्यालय एवं अन्य आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए वर्ग 06,07 एवं 08 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा संबंधित समीक्षा बैठक की गई। उक्त बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय/आश्रम विद्यालय एवं अन्य आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6,7 एवं 8 में नामांकन हेतु दिनांक 09 मार्च 2025 को राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा निर्धारित है। गढ़वा जिला अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 06,07 एवं 08 में नामांकन हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय/आश्रम आवासीय विद्यालय/ आवासीय विद्यालय में कुल रिक्तिया 299 है। इसके लिए जिला स्तर पर कक्षा 06 के लिए 457, कक्षा 07 के लिए 397 एवं कक्षा 08 के लिए 396 अर्थात कुल 1250 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। उक्त के आलोक में उपायुक्त श्री जमुआर के निर्देश पर कक्षा 06 के लिए राजकीय कृत गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय, गढ़वा,कक्षा 07 के लिए राजकीय कृत बालिका उच्च विद्यालय,गढ़वा एवं कक्षा 08 के लिए राजकीय कृत राम साहू उच्च विद्यालय गढ़वा में परीक्षा केंद्र स्थापित किये जायेंगे। साथ ही उपायुक्त ने प्रवेश परीक्षा, OMR SHEETS की जांच/मूल्यांकन एवं मेधा सूची उप निदेशक, पलामू प्रमंडल मेदिनीनगर को भेजने हेतु निर्देश दिए। दिनांक 09 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 01:30 तक आयोजित किए जाएंगे। उक्त बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय,गढ़वा के प्राचार्य, बालिका उच्च विद्यालय,गढ़वा के प्रधानाध्यापक तथा रामसाहू उच्च विद्यालय,गढ़वा के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

विधानसभा में राज सिन्हा ने धनबाद सदर अस्पताल में हो रही कठिनाइयों के संबंध में उठाया मामला

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने आज झारखंड विधानसभा के शून्यकाल के तहत धनबाद सदर अस्पताल में महिला मरीजों एवं बच्चों को हो रही कठिनाइयों के संबंध में मामला उठाया।

विधायक राज सिन्हा ने सदन को बताया कि धनबाद जिला मुख्यालय अंतर्गत सदर अस्पताल रेफरल अस्पताल बन गया है। विगत फरवरी माह में 400 मरीजों को रेफर किया गया जबकि, अस्पताल में संसाधन महिला चिकित्सक, नर्स होते हुए भी प्रसूति महिलाओं को अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है। जिससे स्थानीय व गरीब महिलाओं को काफी कठिनाइयाँ होती हैं। राज सिन्हा ने सरकार से धनबाद सदर अस्पताल से मरीजों को अन्य अस्पतालों में रेफर किए जाने की उच्च स्तरीय जांच करते हुए सदर अस्पताल में महिलाओं और बच्चों

की चिकित्सा व्यवस्था अविलंब दुरुस्त कराए जाने की मांग की.ताकि धनबाद के आम गरीब जनता का उचित और सही इलाज हो सके। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से प्रश्न किया कि यह बतलाया जाए की राज गठन के बाद प्राथमिक मध्य और माध्यमिक विद्यालयों के संसाधन युक्त होने के बावजूद 8353 स्कूल वैसे हैं जहां सिर्फ एक-एक शिक्षक के भरोसे ही विद्यालय संचालित है जबकि 4.10 लाख बच्चे नामांकित हैं। विधायक राज सिन्हा ने प्रश्न किया कि क्या यह बात सही है कि राज्य के 199 विद्यालय वैसे हैं जहां एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं है परंतु 398 शिक्षक कार्यरत हैं। राज सिन्हा ने कहा कि यदि उनके उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार वर्णित विद्यालयों में छात्राओं के अनुपात में शिक्षकों का पदस्थापन वैसे विद्यालय जहां एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं है वैसे शिक्षकों का अन्यत्र का विचार रखती है? हां तो कब तक?

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अल्प सूचित प्रश्न के अंतर्गत प्रश्न किया कि, क्या यह बात सही है कि एन.सी.टी.ई (नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन) की गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक वर्ष राज्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाता है, लेकिन राज्य गठन के बाद राज्य में वर्ष 2013 और 2016 में सिर्फ दो बार ही शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की गई. श्री सिन्हा ने राज्य सहित धनबाद के लाखों प्रशिक्षण प्राप्त अवसर की तलाश में इंतजार कर रहे युवक युवतियों के मामले से संबंधित प्रश्न किया कि, क्या यह बात सही है कि झारखंड राज्य में 8 वर्षों से अधिक समय व्यतीत होने के बावजूद झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन नहीं हो पाई है.जबकि नियमावली बनकर तैयार है झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा जल्द से जल्द कराए जाने की मांग की। विधायक राज सिन्हा ने धनबाद में उद्योग के संबंध में प्रश्न किया कि, क्या यह बात सही है कि धनबाद जिला औद्योगिक एवं खनिज पदार्थ उत्खनन वाली क्षेत्र है, जहां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका निर्भर है, परंतु पिछले एक वर्ष से मध्यम उद्योग में बढ़ोतरी हुई है, परंतु 34000 सूक्ष्म और लघु उद्योग में रोजगार में अप्रत्याशित कमी आई है ,जबकि प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के तहत सरकार द्वारा छोटे उद्योग से 25त्न माल खरीदने का प्रावधान है।

पीसी एंड पीएनडीटी जांच टीम द्वारा जगरनाथ हॉस्पिटल के अल्ट्रा स्कैन सेन्टर में की गई छापेमारी, नियमों का पाया गया उलंघन

नियमों के उलंघन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सेंटर और यूएसजी(USG) मशीन को किया गया सील

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय पीसी एंड पीएनडीटी जांच टीम द्वारा धनबाद जिला अंतर्गत स्टील गेट स्तिथ जगरनाथ हॉस्पिटल के अल्ट्रा स्कैन सेन्टर में औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पीसी एंड पीएनडीटी टीम द्वारा जगरनाथ हॉस्पिटल के अल्ट्रा स्कैन सेन्टर में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा

अल्ट्रासाउंड करते पकड़ा गया, जो कि पीसी एंड पीएनडीटी के नियम का उलंघन है। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल सर्जन एवं उपायुक्त द्वारा गठित पीसी एंड पीएनडीटी टीम द्वारा उस सेंटर और यूएसजी(स्त्र) मशीन को सील कर दिया गया। उपायुक्त द्वारा गठित टीम में कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर, सहायक नोडल पीसी एंड पीएनडीटी डॉ.विकास कुमार राणा, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.राकेश ईन्दर सिंह, डॉ.सैम्स तबरेज आलम, एवं एनजीओ से पूजा रतनाकर मौजूद थें।

फर्जीवाड़ा कर सरकारी राशि गबन करने वाले रोजगार सेवक राकेश रंजन पर प्राथमिकी दर्ज

- हंटरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जांच प्रतिवेदन के साथ कार्यमुक्ति करने कीअनुशंसा की
- मनरेगा में अनियमितता बरतने वाले रोजगार सेवक पर हुई प्रशासनिक कार्रवाई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चतरा। जिला प्रशासन कार्य के प्रति अनियमितता बरतने वाले व लापरवाह अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध सख्त दिख रहा है। हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र का एक मामला प्रकाश में आया है कि हंटरगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत कोबना के रोजगार सेवक राकेश रंजन के द्वारा मनरेगा के कार्य में भारी अनियमितता व लापरवाही बरती जा रही है।

मुखिया और ग्रामीणों से प्राप्त हुई थी शिकायत- ग्राम पंचायत कोबना के मुखिया एवं ग्रामीणों द्वारा 15 फरवरी 2025 को मौखिक एवं लिखित रूप से बताया गया कि ग्राम रोजगार सेवक पंचायत में उपस्थित नहीं रहते हैं एवं अपने मनमौजी तथा लापरवाही से काम करते हैं जिससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि इनके द्वारा गलत मंशा से जानबुझकर योजनाओं में

अनियिमितता बरती जा रही है। इनके द्वारा योजनाओं में फर्जी तरीके से लेवर डिमांड एवं मजदूरी की उपस्थिति भी दर्ज की जाती है।

ग्राम बहेरी पंचायत कोबना में मनरेगा अन्तर्गत योजनाओं की हुई जांच, गंभीर अनियमितता पाई गई- ग्राम बहेरी में चन्द्रवती देवी के खेत में 100×80×10 का तालाब निर्माण यह योजना मनरेगा अन्तर्गत क्रियान्वित है। प्राक्कलित राशि मो0-497901/- रूपये। इस योजना में मशीन (जेसीबी) का उपयोग होने का प्रमाण मिला है, जो कि मनरेगा अधिनियम का उलंघन है। इस योजना में ग्राम रोजगार सेवक द्वारा फर्जी एवं गलत तरीके से लेवर डिमाण्ड / मजदूरों का कार्य आवंटित एवं मस्टर-रॉल का संधारण (मजदूरों की हाजरी बनाने इत्यादि) करते हुए मो0-233920/-रू0 की राशि का गबन / दुर्विनियोग किया गया है।

ग्राम बहेरी में दीपक सिंह के खेत में 80×80×10 का डोभा निर्माण यह योजना मनरेगा अन्तर्गत क्रियान्वित है। प्राक्कलित राशि मो0-419221/- रू0। भुगतना राशि मो0-299642/- रू0। जांच की तिथि में की गई मापी के अनुसार भुगतेय राशि लगभग 141716/- रू0 होती है। इस योजना में जांच की तिथि मजदूरों का कार्य आवंटित है, परन्तु योजना स्थल पर मजदूर कार्यरत नहीं पाये गये जिससे स्पष्ट है प्रतीत होता है कि ग्राम रोजगार सेवक द्वारा गलत तरीके से लेवर डिमाण्ड तथा मजदूरों का कार्य आवंटन एवं मस्टर-रोल का संधारण (मजदूरों की हाजरी बनाने इत्यादि) किया जाता है। योजना में कार्य के अनुरूप भुगतान नहीं है।

ग्राम बहेरी में गिरजा सिंह के खेत में 80×80×10 का डोभा निर्माण यह योजना मनरेगा अन्तर्गत क्रियान्वित है। प्राक्कलित राशि मो0-419221/- रू0। भुगतना राशि मो0-264860/-रू0। जांच की तिथि में की गई मापी के अनुसार भुगतेय राशि लगभग 141716/- रू0 होती है। इस योजना में जांच की तिथि मजदूरों का कार्य आवंटित है, परन्तु योजना स्थल पर मजदूर कार्यरत नहीं पाये गये जिससे स्पष्ट है प्रतीत होता है कि ग्राम रोजगार सेवक द्वारा गलत तरीके से लेवर डिमाण्ड एवं मजदूरों का कार्य आवंटन एवं मस्टर-रोल का संधारण (मजदूरों की हाजरी बनाने इत्यादि) किया जाता है। योजना में कार्य के अनुरूप भुगतान नहीं है।

राकेश रंजन, ग्राम रोजगार सेवक, कोबना के विरूद्ध हुई प्राथमिकी दर्ज- उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि ग्राम रोजगार सेवक द्वारा अनियमितता बरती गई एवं मनरेगा अधिनियम के विरूद्ध कार्य तथा सरकारी राशि की गबन व दुर्विनियोग किया गया है। उक्त के आलोक में राकेश रंजन, ग्राम रोजगार सेवक, कोबना के विरूद्ध दिनांक-16 फरवरी 2025 को प्रखंड विकास पदाधिकारी हंटरगंज के द्वारा हंटरगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसका केस नंबर 34/ 2025 है।

जांच में भी इनके द्वारा नहीं किया गया सहयोग

17 फरवरी 2025 को उक्त संबंधित कारण पृच्छा व स्पष्टीकरण ग्राम रोजगार सेवक को की गई है। प्रधान सहायक को कारण पृच्छा व स्पष्टीकरण पत्र हस्तगत (तामिला) कराने हेतु निर्देशित किया गया, जिसके संदर्भ में प्रधान सहायक द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित रूप से अवगत कराया गया है कि संबंधित ग्राम रोजगार सेवक, श्री राकेश रंजन का मोबाईल स्वीच ऑफ है एवं प्रखण्ड स्तरीय समीक्षात्मक बैठक में लगातार अनुपस्थित हैं तथा ये अपने निवास स्थान, चतरा भी नहीं पाये गये या नहीं मिले जिसके कारण, कारण पृच्छा व स्पष्टीकरण पत्र तामिला नहीं करा पाएं। उक्त जांच क्रम में संबंधित योजनाओं का अभिलेख (मापी पुस्त, मस्टर-रोल एवं अन्य दस्तावेजों आदि) की मांग की गई जिसे ग्राम रोजगार सेवक द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही स्वयं उपस्थित हुए। अभीतक इनके द्वारा अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया।

कार्य मुक्ति के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की अनुशंसा

प्रखंड विकास पदाधिकारी हंटरगंज निखिल गौरव कमान कच्छप ने जांचोंपरांत बताया कि राकेश रंजन, ग्राम रोजगार सेवक, कोबना के द्वारा मनरेगा के कार्य में भारी अनियमितता और सरकारी राशि का गलत तरीके से निकासी किया गया है, जो कि सरकारी राशि का गवन का मामला है। उक्त के आलोक में राकेश रंजन से 48 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण के माध्यम से जवाब भी मांगा गया था जो अप्राप्त रहा। जिसपर प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। साथ ही उनके कार्य मुक्ति के लिए जिला को अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु अनुशंसा किया गया है। ग्राम पंचायत कोबना के मुखिया द्वार 1 मार्च 2025 को लिखिए एवं मौखिक जानकारी मिली कि ग्राम पंचायत कोबना में रोजगार सेवक की उपस्थिति नहीं रहने के कारण पंचायत में विकास कार्य प्रभावित है। इसके आलोक में उक्त पंचायत में रोजगार सेवक के नियुक्ति के लिए जिला को अनुशंसा किया जा रहा है।

झारखंड का बजट सरकार की दूरदर्शी सोच वाला बजट है, इस बजट से बाजार में आएगी जान- मनोवर आलम

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। सोमवार को झारखंड विधानसभा में पास हुए बजट को लेकर कांग्रेस के हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम ने एक भेंट वार्ता में कहा कि वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने राज्य के 2025-26 के लिए जो बजट 1,45,400 करोड़ का बजट पेस किया जो वर्ष 2024- 25 से 1.28 करोड़ से ज्यादा है इस बजट में सभी वर्गो का ध्यान रखा गया है महिला सम्मान योजना जिसके लिए बीजेपी हल्ला कर रही थी उसपर विशेष फोकस किया गया ओर 13363 करोड़ रु आवंटित किया गया जो हेमन्त सोरेन सरकार की सराहनीय और दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। महिलाओं को जब पैसा मिलेगा उससे बाजार में रौनक आयेगा वही किसानों के लिए कृषि उपकरणों के लिए 140 करोड़ का प्रावधान किया गया है तो बोरिंग ओर तालाब के लिए अलग प्रावधान है।

जनता दरबार में फ्लैट ओनर्स ने की बिल्डर की शिकायत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। इसमें धैया के एक मल्टीस्टोरी अपार्टमेंट के फ्लैट ओनर्स ने बिल्डर की शिकायत करते हुए एडीएम को बताया कि आज सुबह बिल्डिंग के बेसमेंट में बिजली मीटर क्षेत्र में आग लग गई थी। इस कारण वहां के 20 फ्लैट में रहने वाले लगभग 70 लोग आग और धुआं में फंस गए। इसके कारण एक महिला बेहोश हो गई। एक व्यक्ति चोटिल भी हुआ।

फ्लैट ओनर्स ने बताया कि बिल्डिंग में फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं है। आसपास के लोगों ने रेत फेंक कर आग पर काबू पाया। मीटर क्षेत्र में आग लगने के कारण बिजली कट गई है। बिल्डिंग के निवासी बिना बिजली और पानी के

रह रहे हैं। जबकि कोमन एरिया का बिजली कनेक्शन बिल्डर के नाम पर है। जब बिल्डर को घटना की जानकारी देकर बिजली कनेक्शन रिस्टोर करने का अनुरोध किया तो उसने हाथ खड़े कर दिए और फोन भी रिसीव करना बंद कर दिया। मामले पर संज्ञान लेकर एडीएम ने नगर निगम को इसकी जांच करने का निर्देश दिया।

निरसा की एक महिला ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु दस वर्ष पहले हो गई है। तब से उनके चाचा परिवार को प्रताड़ित करते आ रहे हैं। उनके घर की तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाकर निजता का हनन कर रहे हैं। उनकी जमीन पर एक मोबाइल टावर भी है। जिसका एग्रीमेंट 30 सितंबर 2024 को समाप्त हो चुका है। महिला ने सीसीटीवी कैमरा एवं मोबाइल टावर हटवाने की गुहार लगाई।

वहीं बाघमारा से आए व्यक्ति ने बताया कि उनकी खतियानी जमीन पर कोयला माफिया द्वारा कोयला का अवैध खनन किया जा रहा है। एक महिला ने बताया कि भेलाटांड़ बरवाअड्डा में जमीन दलाल ने उसके पिता से डेढ़ लाख रुपया लेकर सीएनटी की जमीन दिल दी।

इसके अलावा जनता दरबार में अबुआ आवास, ऑनलाइन रसीद नहीं काटने, मानसिक रूप से विक्षिप्त पति को रांची भेज कर इलाज कराने, कृषि भूमि पर कॉल डिपो खोलकर जबरन बाउंड्री वॉल बनाने, ऑनलाइन पंजी 2 में अंचल कार्यालय द्वारा गलत एंट्री कर देने, 11 फीट चौड़ी आम सड़क पर दिवाल बनाकर पीडीएस दुकान का मार्ग अवरूद्ध कर देने सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई।जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

हिन्दी साहित्य विकास परिषद् ट्रस्ट का होगा होली मिलन, शम्भु शिखर व चेतन चर्चित अपनी कविताओं से बिखेरेंगे रंग

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। कंबाइंड बिल्डिंग,धनबाद स्थित होटल लक्सस इन में हिन्दी साहित्य विकास परिषद् ट्रस्ट द्वारा एक प्रेसवार्ता आयोजित कि गई, जिसमें ट्रस्ट के सचिव राकेश शर्मा ने बताया कि हिन्दी साहित्य विकास परिषद ट्रस्ट आगामी 7 मार्च 2025 दिन शुक्रवार को संध्या 6ः30 बजे से शहर के जोड़ाफाटक हावड़ा मोटर स्थित इण्डस्ट्रीज एण्ड कामॅर्स एसोसियेशन के सभागार में %रंग बरसे 2025 होली के रंग हास्य कवियों के संग मनाने जा रही है। जिसमें देश के दो नामचीन हास्य कवि क्रमशः शम्भु शिखर, चेतन चर्चित अपने हास्य रंग की कविताओं से शहर वासियों को हंसी के रंग से सराबोर करेंगें। कार्यक्रम शाम 7ः00 बजे से रात्रि 9ः00 बजे तक चलेगा, कार्यक्रम में साहित्य विकास परिषद् के सभी सदस्य आमांत्रित है।

संस्था के अध्यक्ष संजय आनन्द ने बताया कि परिषद् विश्व महिला दिवस की पूर्व संध्या पर नारी सशक्तिकरण का सम्मान करते हुए शहर की कुछ प्रमुख महिलाओं को महिला सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

कार्यक्रम में परिषद् के सदस्य व शहर के सभी प्रमुख गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। साथ ही राकेश शर्मा ने बताया कि आगामी 5 अप्रैल 2025 से साहित्य विकास परिषद्, झारखण्ड के इतिहास में पहली बार साहित्य चौपाल का शुभारम्भ करने जा रही है। जिसमें ग्राम स्तर एवं पंचायत स्तर पर युवाओं को साहित्य के प्रति जागरूकता पैदा करने का काम करेगी। इसके साथ ही झारखण्ड के कहानीकारों का कहानी संग्रह साहित्य ग्रन्थ भाग-2 को लोकापर्ण करेगी। प्रेसवार्ता में अध्यक्ष संजय आनन्द, सचिव राकेश शर्मा एवं परिषद् के सीताराम सिंह, संजय तिवारी, अभिषेक जयसवाल आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)/रांची, दक्षिण पूर्व रेलवे, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनकी ओर से, निम्नलिखित के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या: 1; ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-कोच -10-25, तिथि: 28.02.2025; कार्य का संक्षिप्त विवरण/नाम:** रांची स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2, 3, 4 एवं 5 पर कोच चार्जिंग सुविधा प्रदान करने हेतु विद्युत कार्य; **निविदा लागत (रु. में):** 22,58,261.28; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा (रु. में):** 45,200.00; **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 24.03.2025 को 16:00 बजे; **वेबसाइट विवरण:** https://www.ireps.gov.in ;निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदादाताओं/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है तथा उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा में भाग लेने के समय, सभी आवश्यक कागजात निविदा दस्तावेज के साथ अपलोड करना अनिवार्य है।
(PR-1199)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेन्टर, गुमला

National Career Service

भर्ती कैम्प- 2025, सूचना

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजन का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेन्टर, गुमला के तत्वाधान में दिनांक- 07.03.2025 दिन (शुक्रवार) को पूर्वाहन 10:30 से 4:00 बजे तक एक दिवसीय भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती कैम्प में निम्नांकित प्रमुख नियोजक ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है :-

स्थान- जिला नियोजनालय, गुमला कार्यालय परिसर में।

Sl NO	Name of the Employer & Address	Name of the post	No. of Vacancy	Qualification Required Essential	Experience if any	Age (Min. / Max Year)	(Pay/ Scale)	Job Location
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	V Mart, Sisai Road, Gumla	Head Cashier	01	Graduate Pass. (Computer Knowledge in MS Office)	1 Year	18 to 28 Years. (Only for Male)	12,500/- Per Month	Gumla, Jharkhand
		Salesman	01	12th Pass/ Graduate Pass	Nil	18 to 28 Years. (Male and Female)	8,500/- for 12th Pass Per Month / 9,500/- for Graduate Pass Per Month	Gumla, Jharkhand
2	SRH SERVICES LIMITED	MACHINE OPERATOR	50	Matric Pass	Nil	18 to 30 Years. (Only For Male)	Rs 9,000/- Per Month	Tamilnadu.

नोट :- योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो निबंधित नहीं हैं वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा नजदीकी नियोजनालय पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्ती कैम्प में नियोजक/नियोजकों के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों Residential, Resume (Self Attested), Aadhar Card (Self Attested), Pan Card (Self Attested), Voter Id Card (Self Attested), Own Bike/ Scooty RC (Self Attested), Educational Mark sheet and Caste Certificate एवं उसकी एक छायाप्रति तथा बायोडाटा (02) दो पासपोर्ट साईज फोटो एवं अनिवार्य रूप के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है, उसे निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है।

अतः इस प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा।

. किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
जिला नियोजनालय, गुमला

PR 347745 Labour Employment and Traning(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0-41/2024-25

1.	विभाग का नाम	:-	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3.	परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय	:-	10.03.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय	:-	11.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एंव समय	:-	11.03.2025 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:-	1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7.	निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थानः-	:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8.	कार्यो की विवरणी	:-	

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Seepage repair and renovation of Staff, Sister Dr. Chamber Toilet and General Toilet and bath room (Right Side+ Left Side) & Improvement of W/S and sanitary fittings & sewerage work at C-1 BLOCK at 3rd Floor Neuro Surgery Department RIMS Bariyatu, Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Gonda, Ranchi.	1982933.00	40000.00	5000.00	30 Days
2.	Improvement of water supply with supplying & installation of Cooler with RO Purifier and other allied works at Female & Male Ward, RINPAS Campus Kanke Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Gonda, Ranchi.	1716280.00	35000.00	5000.00	15 Days

नियम एवं शर्ते सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची

PR 347779 Drinking Water and Sanitation(24-25)#D

तनवीर आलम आम जनों से मिलकर ऑन द स्पॉट किया समाधान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। मंगलवार को पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में झारखंड प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक किये एवं विभिन्न पंचायत से आए आम जनों की समस्याओं से भी रूबरू हुए।

ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर पंचायत से आए पुरुष एवं महिलाओं ने जमीन संबंधी, मईया सम्मान योजना संबंधी,पेंशन संबंधित, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि न मिलने की शिकायत, ग्रीन कार्ड न बनने की शिकायत, जाति आय निवास से संबंधित शिकायत झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव के सामने राखी।

तनवीर आलम ने संबंधित

अधिकारी से वार्तालाप किया और कुछ समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट किया एवं उक्त समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित दिए। मौके पर विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, प्रखंड अध्यक्ष मानसारूल हक़, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, शाहीन परवेज, तस्लीम आरिफ उर्फ बुलेट, पियारुल इस्लाम, मिरजाहां विश्वास ,रामविलास महतो, कृष्ण यादव वंश राज गोप, मिथुन मरांडी ,बिलाल शेख, सेलिम हुसैन, आतीउर रहमान, सज्जाद मियां, जैकी, नसीम आलम, अंसारुल हक़ सहित कांग्रेस कार्यकर्ता तो उपस्थित थे।

रांची में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए सपा के जिला अध्यक्ष हाजीकुल आलम

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हाजीकुल आलम ने रांची स्थित पुराना विधानसभा सभागार में पार्टी के दो दिवसीय कार्यशाला में शिरकत किया। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी झारखंड में अपने संगठन विस्तार को धार देने के लिए सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, सांसद राजीव रॉय, सांसद आदित्य यादव की उपस्थिति में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला में सांसद आदित्य यादव ने झारखंड में पार्टी विस्तार के टिप्स दिए, साथ ही सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने

सभी प्रखंड़ों, पंचायतों में सभी वर्गों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। सांसद राजीव रॉय ने समाजवादी पार्टी को केंद्रीय विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा कि इसमें झारखंड का योगदान अपेक्षित है। कार्यशाला के समापन के बाद भरपूर उत्साह से पाकुड़ जिलाध्यक्ष और पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड में समाजवादी पार्टी के विधायक और सांसद जनता के सामने जनमत से तैयार हो जाएंगे

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, दस हजार घुस लेते एसडीओ कार्यालय का कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,सिमरिया(चतरा)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए सिमरिया एसडीओ कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर आफताब अंसारी को 10 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम उसे गिरफ्तार कर हजारीबाग साथ ले गयी है। जानकारी के अनुसार शिला गांव निवासी अनिल कुमार से एलआरडीसी कार्यालय में लंबित भूमि विवाद के पक्ष में निर्णय कराने के नाम पर आफताब अंसारी ने कुल 40 हजार रुपये की मांग की थी। पहली किस्त के रूप में वह 10 हजार रुपये ले रहा था, तभी एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीबी एसपी आरिफ इकराम ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। अब यह देखना होगा कि इस मामले में और कौन-कौन अधिकारी या कर्मचारी शामिल हैं। क्या सिर्फ ऑपरेटर तक कार्रवाई सीमित रहेगी या इस भ्रष्टाचार के पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा। बता दें कि जिले में काम के एवज में रिश्वत लेने का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि समय -समय पर कारवाई किया जा रहा है, इसके बावजूद रिश्वत लेने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

मोटरसाइकिल से गिरकर महिला घायल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, लातेहार। थाना क्षेत्र के पिडारकोम गांव में मंगलवार को बाइक से गिरकर एक महिला घायल हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मुरपा गांव निवासी गुलाम अंसारी अपनी पत्नी रुबीना खातून 30 वर्ष को बाइक में सवार कर बालूमाथ बाजार करने लाया था। जिसके बाद बाजार कर पति-पत्नी एक बाइक में सवार होकर लौट रहे थे कि इसी दौरान पिडारकोम गांव के पास पत्नी का नकाब बाइक के टायर में जा फंसा जिससे अनियंत्रित होकर

बाइक सड़क पर गिर गया और महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने महिला रुबीना खातून को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां पर चिकित्सक अलीशा टोप्पो के द्वारा प्राथमिक उपचार की गई वही स्थिति को गंभीर देखते हुए महिला को बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। उपचार कर रहे चिकित्सक ने बताया कि महिला के सर पैर सहित शरीर के कई अंग में चोट आई है।

ऊर्जा विभाग
झारखण्ड सरकार, विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0-2, धुर्वा, रॉची।

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई-निविदा प्रसंग सं0- Energy/EWD/Ranchi/129/2024-25 दिनांक- 04/03/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	हेसाग, रॉची स्थित पशुपालन भवन में क्षतिग्रस्त लाईट, पंखा, स्वीच के बदलीकरण एवं कम्बाईड बोड के अधिष्ठापन, एवं लाईट, फैन प्वाईट, सुरक्षा लाईट के अतिरिक्त कार्य साथ ही मेन पैनल, फ्लोर पैनल, यू0पी0एस0 के अधिष्ठापन का कार्य।	33,62,931=00	5,000=00	68,000=00	42 दिन
II	डेंटल कॉल, रिम्स रॉची मे जेनरेटर लाईन केबल सहित के अधिष्ठापन का कार्य।	20,69,171=00	5,000=00	42,000=00	28 दिन
III	श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रॉची सर्विस केबल, स्ट्रीट लाईट, पाथवे लाईट, फल्ड लाईट, बोलार्ड गार्डेन लाईट के बदलीकरण एवं अतिरिक्त कार्य।	28,40,659=00	5,000=00	58,000=00	28 दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.03.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	12.03.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 18.03.2025 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	19.03.2025 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651-2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।

PR 347796 (Energy) 24-25 (D)

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री अठावले ने आकाश आनंद को आरपीआई में आने का दिया ऑफर, बोले - पूरा सम्मान देंगे

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने आकाश आनंद को बसपा से निकाले जाने पर कहा कि आकाश मायावती जी अनुसरण कर रहे थे। उन्हें अब पार्टी से निकाल दिया गया है तो उन्हें हमारी पार्टी में शामिल हो जाना चाहिए। हम रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया में उन्हें उचित सम्मान देंगे। वो बहुजन समाज के मिशन को आगे बढ़ा रहे थे। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बारे में अठावले ने कहा कि उनका चरित्र बदल गया है। वो लगातार महाकुंभ पर टिप्पणी करते रहे जो कि सही नहीं है। वो खुद भी कुंभ में डुबकी लगाने गए लेकिन बयानबाजी करते रहे। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वो हमारे मित्र हैं लेकिन अब वो बदल गए हैं।

राहुल गांधी को महाकुंभ स्नान के लिए जाना चाहिए था– अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाकुंभ में स्नान के लिए नहीं गए। उन्हें हिंदुओं का वोट तो चाहिए लेकिन कुंभ स्नान नहीं करने गए। अगर वो जाते तो योगी सरकार उन्हें पूरी सुविधाएं देती लेकिन वो नहीं गए। ये उन्होंने सही नहीं किया।

विधानसभा कार्यवाही

पान खाकर सदन पहुंचे माननीय ने प्रवेश द्वार पर मार दी पिचकारी

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान चर्चा की गई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा की गरिमा और स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। साथ ही एक अनुशासनहीन घटना पर नाराजगी जताई। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला थूके जाने की सूचना मिली। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने तत्काल पहुंचकर सफाई कराई। इस व्यवहार की भर्त्सना की।

इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है। परंतु किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है।

स्वयं आगे आकर स्वीकार करें...

इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की है कि यदि भविष्य में किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें। विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें। महाना ने यह भी कहा कि जिसने यह कार्य किया है, वह स्वयं आगे आकर स्वीकार करें। अन्यथा उन्हें बुलाना पड़ेगा।

मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी– उन्होंने सदन में पुन: इस विषय पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सपा नेता अबू आजमी का किया समर्थन

औरंगजेब पर दिया बड़ा बयान

बरेली , एजेंसी। औरंगजेब पर महाराष्ट्र के सपा नेता व विधायक अबू आजमी के बयान के बाद बहस छिड़ी हुई है। उनके बयान पर जहां तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सपा नेता का समर्थन किया है। मौलाना ने कहा कि औरंगजेब आलमगीर बादशाह के बारे में अबू आजमी ने जो कुछ कहा, वो उनका अपना नजरिया और सोच है। कोई व्यक्ति अपने किसी महापुरुष के बारे में कुछ भी विचार रखता है। यह विचार रखने और बोलने की आजादी देश में सभी को हासिल है। भारत एक आजाद देश है। सभी को ये अधिकार दिए गए हैं कि हर व्यक्ति शालीनता के साथ अपनी बात कह सके।

अबू आजमी ने देश के खिलाफ कुछ नहीं बोला– मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि सपा नेता अबू आजमी ने कोई भी ऐसी बात नहीं कही है, जो देशद्रोह के दायरे में आती हो। जो लोग उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा कायम करने और कानूनी कार्रवाई की बात कर रहे हैं, ये सब फिजूल की बातें हैं। अबू आजमी ने देश के खिलाफ कुछ भी नहीं कहा।

मुस्लिम इतिहासकारों से हुई चूक – मौलाना ने कहा कि मुस्लिम बादशाह इंसान थे। इंसान भूल और गलती से बना हुआ है। ये बात जरूर है कि मुस्लिम बादशाहों से कुछ गलतियां हुई हैं। अगर इंसान से गलती न हो तो फिर वो फरिश्ता कहलाता है। फरिश्तों से गलतियां नहीं होती। कहा कि औरंगजेब के बारे में मुस्लिम इतिहासकारों से चूक हुई है। वे गैर मुस्लिमों के सामने धूमिल छवि को साफ करने में नाकाम रहें। शहाबुद्दीन रजवी ने आगे कहा कि अब पुराने जमाने की बातों को छोड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत की बात करना चाहिए। देश और प्रदेशों की तरक्की किस तरह होगी, उसकी बात करना चाहिए। देश विश्वगुरु बनने जा रहा है इसकी बात करना चाहिए ना कि हिंदू मुस्लिम की बात की जाए।

अबू आजमी ने औरंगजेब को बताया था महान प्रशासक– आजमी ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा था, सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए...औरंगजेब क्रूर नहीं था। इंटरव्यू में सपा नेता ने कहा था, मैंने औरंगजेब के बारे में जितना पढ़ा है, उसने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया, उसका शासन बर्मा (वर्तमान म्यांमार) तक फैला हुआ था, उस समय देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एक महान प्रशासक थे, उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे।

सपा ने सदन में उठाया गो-आश्रय स्थलों की दुर्दशा का मुद्दा

पशुधन मंत्री बोले- अब गाय देखकर कांपते हैं कसाई

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा की गई। इसमें पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सपा सरकार में कसाई को देखकर गाय कांपती थी। वहीं भाजपा सरकार में कसाई गाय को देखकर कांपता है।

कहा कि प्रदेश में कोई छुट्टा पशु नहीं है, बल्कि छोड़े गए पशु हैं। गो-आश्रय स्थलों के प्रबंधन के लिए माइक्रो मैनेजमेंट के दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने हालिया बजट में 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की है। पशुधन मंत्री सपा सदस्य महेंद्र नाथ यादव व संग्राम सिंह द्वारा किसानों की फसलों को छुट्टा जानवरों से बचाने के लिए योजना बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। पशुधन मंत्री के जवाब पर संग्राम सिंह यादव ने कहा कि अधिकारियों के चक्कर में फंसकर मंत्री जवाब दे रहे हैं। वह खुद भ्रमण कर लें।

पशुओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा– गो-आश्रय स्थलों पर इंतजाम बहुत कम हैं। पशुओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है। सरकार को बजट बढ़ा देना चाहिए, जिसका हम समर्थन करेंगे। वहीं मंत्री के जवाब पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि पशुओं के साथ दुर्घटना में घायल लोगों की कुछ दिन बाद मृत्यु हो जाती है। राज्य सरकार को उन्हें भी आर्थिक सहायता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गाय कसाई से डरती नहीं थी। तब वह मोटी होती थी। वहीं सपा सदस्य अनिल प्रधान ने छुट्टा पशुओं द्वारा फसलों का नुकसान करने को लेकर सवाल उठाया, जिसके जवाब में मंत्री ने कहा कि फसलों का नुकसान होने की कोई शिकायत नहीं है। प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण पर रोजाना 7.50 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को मानदेय नहीं– विधानसभा में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि अन्य राज्यों की भांति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को वेतन और अन्य सुविधाएं देने पर राज्य सरकार विचार नहीं कर रही है। वह सपा सदस्य बृजेश कठेरिया के सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बीमा योजनाओं से आच्छादित किया गया है। वहीं सपा सदस्य त्रिभुवन दत्त द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि यह सेवा मानदेय पर आधारित है।

पूर्व विधायकों की सूचना नहीं देने वाले अफसरों पर होगी कार्रवाई

सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने करनैलगंज के पूर्व विधायक कुंवरि बृज सिंह के विगत 22 फरवरी को निधन होने की जानकारी सदन को दी। इस दौरान अमरोहा की हसनपुर सीट से पूर्व विधायक रफाकत हुसैन और रायबरेली की डलमऊ सीट के पूर्व विधायक गजाधर सिंह के निधन की सूचना सदन को नहीं दिए जाने की सदस्यों ने जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने इस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए प्रमुख सचिव विधानसभा से सूचना नहीं देने वाले अधिकारियों का पता लगाने और उन पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मिलावट रोकने को लगातार चला रहे अभियान

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सदन को अवगत कराया कि मिठाइयों में मिलावट रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जाता है। दोषियों पर कार्रवाई भी होती है। उन्होंने सदन के सामने बीते एक वर्ष में हुई कार्रवाई का ब्योरा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीते एक वर्ष में कुल 4344 नमूने लिए गए, जिसमें से 1201 अधोमानक पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने के 150 मामलों में कार्रवाई की गई।

हाथ-पैर बांधे, फिर चाकू से गला काटा...

बहन को इसलिए दी खौफनाक मौत, ताकि भांजे को पता रहे

आगरा , एजेंसी। आगरा के टेढ़ी बगिया (ट्रांस यमुना) में भांजे के साथ पत्नी के चले जाने पर नाराज युवक ने रविवार रात बहन गीता देवी (45) की हत्या कर दी। आरोप है कि घर में हाथ-पैर बांधने के बाद चाकू से गला रेत डाला। इसके बाद शव को प्लास्टिक के बोरे में बंदकर प्लॉट में फेंक दिया। सोमवार सुबह पता चलने पर पुलिस ने देर रात उसे गिरफ्तार किया। वह बेटे के साथ दिल्ली भाग गया था। डीसीपी सिटी सूरज राय का कहना है कि हत्या के पीछे मृतका के पुत्र के अपनी मामी से अवैध संबंध हैं। माता वाली गली, टेढ़ी बगिया निवासी प्रताप सिंह मजदूरी करते हैं। उनके दो बेटे कुलदीप और भूरा हैं। बेटी खुशी की शादी हो चुकी हैं। प्रताप सिंह ने बताया कि पत्नी गीता देवी का भाई रवि, अपनी पत्नी और बच्चे के साथ 10 महीने पहले पड़ोस के एक मकान में किराये पर रहने आया था। रवि भी मजदूरी करता है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि भूरा के अपनी मामी से प्रेम संबंध हो गए। 16 फरवरी को भूरा मामी के साथ चला गया। तलाश में वे बल्लभगढ़ (हरियाणा) में मिले। 24 फरवरी को भूरा को ले आए, तब रवि की पत्नी ने आने से मना कर दिया। दो दिन बाद परिवार के लोग उसे भी समझाकर ले आए। मामला थाने तक पहुंचा। 28 फरवरी को पति और बच्चे को छोड़ भूरा के साथ वह दोबारा चली गई। यह बात रवि को खराब लगी। वह बेटे को भी साथ नहीं रखना चाहता था। उसने रविवार को गीता देवी को अपने पास बुलाया।

रात में हुई थी पति से बात

प्रताप सिंह ने बताया कि वह काम करके घर आए तो गीता नहीं थीं। उन्होंने कॉल किया तो बताया कि वह रवि के साथ मायके धनौली आई हैं। रात तक आ जाएगी। सोमवार सुबह 6 बजे महावीर के मकान में किराएदार संतोष की पत्नी जूली प्लॉट में कूड़ा फेंक रही थीं। उनकी नजर कूड़े के ढेर में पड़े बोरे पर गई। बोरे से बिछिया पहनी महिला के पैर दिख रहे थे। जानकारी पर लोग जुट गए। बोरा देखा तो गीता देवी का शव मिला।

रामगंगा पुल के सात मार्च से खुलने के आसार

बरेली-लखनऊ जाने वालों को होगी आसानी

मुरादाबाद , एजेंसी। रामगंगा पुल बंद होने से करीब महीनेभर से दुश्वारियां झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। रामगंगा पुल मरम्मत का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सात मार्च से पुल के खुलने के आसार हैं। पुल से भारी और हल्के वाहन एक साथ गुजारे जाएंगे या अभी सिर्फ हल्के वाहन चलेंगे, इसका निर्णय मंगलवार होने वाली एसपी ट्रैफिक और पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं की बैठक में लिया जाएगा। महाशिवरात्रि के दौरान कांवड़ियों के लिए 20 से 26 फरवरी तक रामगंगा पुल खोल दिया गया था। इस बीच पुल मरम्मत का काम बंद कर दिया गया था। इसके बाद 27 फरवरी से मरम्मत के लिए दोबारा रामगंगा पुल बंद दिया गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पहले तय किया था कि पुल खुलने के बाद पहले दो पहिया और चार पहिया वाहनों के चलने की इजाजत दी जाएगी। इसके बाद भारी वाहनों का संचालन शुरू कराएंगे। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि पुल को सात मार्च को आम जनता के लिए खोला जाएगा। मंगलवार को पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं से तकनीकी बिंदुओं पर वार्ता की जाएगी। अभियंता तय करेंगे कि पहले हल्के वाहन गुजारे जाएंगे, या फिर भारी वाहन। इसके बाद डायवर्जन हटाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कर दिया जाएगा। पुल की मरम्मत के लिए पांच फरवरी से कार्य चल रहा है। पहले दो माह के लिए पुल बंद करने की योजना थी, लेकिन काम तेज होने के कारण अवधि आधी कर दी गई।

14 पिलर दुरुस्त, 12 बेयरिंग भी बदली गई– पुल के ऊपर दो एक्सटेंशन को तोड़कर उसकी मरम्मत की गई। पुल के ऊपर स्पैन पर पानी और मिट्टी गिरने की संभावना थी। एक्सटेंशन बनने से बरसात के दिनों में

पानी स्पैन से दूर गिरेगा। वहीं पुल के सभी 14 पिलर दुरुस्त कर दिए गए हैं। 12 बेयरिंग भी बदल दी गई हैं। पुल के नीचे पिलरों की मरम्मत का काम लगभग पूरा हो गया है।

कुसुमा की कहानी

खूंखार डकैत ने अपने ही गांव में डाली थी डकैती

दस्यु ने मां को अपशब्द कहे तो छोड़ दिया गैंग

औरैया , एजेंसी। जिस गांव में पली बड़ी उसी गांव में जब डकैत बनकर अपने गैंग के साथियों के साथ कुसुमा नाइन वर्ष 1985 में टिकरी गांव पहुंची, तो उसने गांव के ही रामरूप दुबे के यहां डकैती डाल दी। परिजनों ने विरोध किया तो उसने परिजनों को बुरी तरह मारापीटा। ग्रामीणों ने बताया कि वह इतनी निर्दयी हो चुकी थी कि वह महिलाओं को भी नहीं छोड़ती थी।

फायरिंग करते हुए की थी लूटपाट – जालौन के सिरसाकलार थाना क्षेत्र के जहटौली गांव निवासी रमेश चौरसिया अब करीब 75 वर्ष के हो चुके हैं। अपने साथ हुई घटना की जानकारी देते हुए वह भावुक हो गए। बताया कि वर्ष 1981 में अचानक कुसुमा ने गांव में धावा बोल दिया। वह उनके घर में घुस गई और जमकर लूट पाट की। उनकी मां कुंजा देवी ने जब इसका विरोध किया तो कुसुमा ने बंदूक की बटों से उनकी पिटाई की थी। इसके बाद दहशत फैलाने के लिए उसे गांव में फायरिंग की थी। इससे गांव के लोग घरों में दुबक गए थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन उस समय पुलिस की स्थिति बहुत दयनीय थी। डकैतों के जाने के बाद ही पुलिस आती थी।

मां को अपशब्द कहने पर डकैत लालाराम का साथ भी छोड़ा– बीहड़ में राज करने वाली दस्यु कुसुमा को अपनी मां से बहुत प्रेम था। मां के लिए अपशब्द बोलने पर कुसुमा ने उस डकैत लालाराम का साथ भी छोड़ दिया था। जिसकी अगुवाई में उसने अस्ता

में नरसंहार को अंजाम दिया था। सरेंडर के दौरान उसने मां की मौत के बाद फांसी की सजा सुनाए जाने की गुहार लगाई थी।

जालौन जिले के टिकरी निवासी कुसुमा नाइन और माधव मल्लाह का प्रेम उसके परिजनों को नागवार गुजरा था। दिल्ली जाने के दो साल बाद उसके पिता ने पुलिस की मदद से उसको पकड़वाकर घर बुलवा लिया था। इसके बाद उसकी कुरौली निवासी केदार नाई के साथ शादी कर दी। शादी के कुछ साल बाद ही माधव ने अपने रिश्तेदार दस्यु विक्रम मल्लाह की मदद से कुसुमा को अगवा करवा लिया था। यहीं से कुसुमा सामान्य महिला से दस्यु बन गई। आठ साल बाद विक्रम की मौत के बाद उसने दस्यु लालाराम के गैंग का दामन थाम लिया था। 26 मई 1984 में उसने लालाराम व श्रीराम के साथ मिलकर बेहमई कांड में हुई 22 लोगों की निर्मम हत्या का बदला अस्ता में 14 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था (जैसा कि अस्ता में बने स्मारक में दर्ज है)।

सबसे क्रूर डकैतों में होती थी कुसुमा की गिनती– इसके कुछ समय बाद लालाराम ने कुसुमा की मां को अपशब्द बोले दिए थे। इससे आहत कुसुमा लालाराम के गैंग से किनारा कर फक्कड़ बाबा गैंग का हिस्सा बन गई थी। उसने कई अपहरण, हत्या, डकैती आदि घटनाओं को अंजाम देकर अपने नाम की दहशत बना दी थी। लोग कुसुमा की गिनती उस दौर की सबसे क्रूर डकैतों में करते थे।

वर्ष 2004 में मध्य प्रदेश के भिंड जिले में उसने फक्कड़ महाराज और गैंग के अन्य सदस्यों के साथ सरेंडर कर दिया था। सरेंडर करने के दौरान उसने अपनी मां की मौत के बाद फांसी दिए जाने की गुहार लगाई थी। कुसुमा की मां की मौत कई साल पहले हो गई थी।

कुसुमा की मौत के बाद अपनों की याद में छलकीं अस्ता वासियों की आंखें– जेल में बंद दस्यु कुसुमा नाइन की गंभीर बीमारी के चलते इलाज के दौरान रविवार को लखनऊ में मौत हो गई। इसकी जानकारी पर अस्ता के लोग खुश हो उठे। उन्होंने एक दूसरे को मिठाई खिलाने के साथ घी के दीये जलाकर खुशी जाहिर की।

भलै मर गई, हमाए पति व देवर को मारा था : रामदुलारी

अस्ता की बुजुर्ग रामदुलारी को अब सुनने में परेशानी होती है। दस्यु कुसुमा नाइन की मौत के बारे में उनसे पूछा तो वह खुश हो गईं। कहा कि भलै मर गई। हमाए पति धनीराम व देवर महादेव को मार डाला था। बोलीं–कुसुमा ने उन्हें व उनकी देवरानी सोमवती को विधवा बना दिया। इसी तरह सबकी जुबान पर अपनों को खोने की दास्तां थी।

जिस पति को 47 साल पहले छोड़ा, उसी ने किया दाह संस्कार– जिस पति को छोड़कर डकैत कुसुमा नाइन 47 साल पहले बागी हो गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो जाने पर जब उसका शव ससुराल पहुंचा तो सोमवार की सुबह उसके पति केदार ने ही अंतिम संस्कार किया। इस दौरान गांव के अलावा अन्य गांवों के लोगों की भीड़ जमा रही। जानकारी पर केदार के अन्य रिश्तेदार भी वहा शरीक होने पहुंचे थे। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी डरू नाई की पुत्री कुसुमा नाइन का जन्म 1964 में हुआ था। उसके पिता गांव के ग्राम प्रधान थे। जबकि चाचा गांव में सरकारी राशन के कोटे की दुकान चलाते थे। वह इकलौती संतान होने के चलते परिवार उसे बड़े लाड़ प्यार से पाल रहे थे। लेकिन जब वह 13 साल की हुई तो उसे पड़ोसी माधव मल्लाह से प्रेम प्रसंग हो गया और वह उसके साथ चली गई। दो साल बाद पिता उसे वहां से ले आए और उसकी शादी कुठौंद थाना क्षेत्र के कुरौली गांव निवासी केदार नाई से करा दी।

संपादकीय

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता, यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है। लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

क्या गिरते ग्राफ के कारण झुंझलाहट में है मायावती ?

बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है। इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था। उत्तरप्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं।

अशोक भाटिया

बहुजन समाज पार्टी के राज्य कार्यालय में रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने बैठक में बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का राष्ट्रीय कोओर्डिनेटर बनाया गया है। इनके जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया गया। मायावती ने अपने बयान में कहा कि आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। आकाश आनंद को हटाने के पीछे इसकी सारी जिम्मेवारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की है। अशोक ने पार्टी के नुकसान पहुंचाने के साथ ही साथ आकाश के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है। आकाश के स्थान पर उनके छोटे भाई आनंद कुमार ही पार्टी का सभी कार्य करते रहेंगे। आनंद पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही साथ राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर भी बनाया गया है। उनका पूरा सहयोग करने के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोओर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। इन दोनों में से आनंद कुमार का प्रमुख कार्य दिल्ली में अधिक रहकर पार्टी का पूरा पेपर वर्क अन्य जरूरी कार्य देखेना होगा। साथ ही पूरे देश में अपना सम्पर्क बनाकर रखेंगे। वहीं रामजी गौतम पूरे देश और हर राज्यों में जाकर पार्टी की प्रगति रिपोर्ट लेंगे। पार्टी के जनाधार को भी बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिए गये निर्देशों का पालन कराएंगे।

बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है। इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था।

उत्तरप्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं।

बताया तो यह भी जा रहा है कि बहुजन समाज पार्टी का किला लगातार ढहता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी 10 सीटों से शून्य पर आ गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ, इसमें भी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी बसपा की हालत खराब ही रही।दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी कुछ खास नहीं कर पाई। पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे राजनीतिक विश्लेषक सबसे बड़ा कारण पार्टी से नेताओं की विदाई मान रहे हैं। उनका मानना है कि अब पार्टी के पास पहले जैसे कद्दावर नेता बचे नहीं हैं। यही वजह है कि पार्टी को इसका लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।साथ ही बसपा के खराब प्रदर्शन से पार्टी के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जो पहले कभी नहीं हुआ था वह पहली बार बहुजन समाज पार्टी ने साल 2007 में अकेले दम पर कर दिखाया था। बीएसपी ने 212 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश की सत्ता पर अधिकार जमाया।इससे पहले भी तीन बार बीएसपी सुप्रीमो मायावती विभिन्न पार्टियों के सहयोग से सरकार बनाती रहीं, लेकिन चौथी बार जब मायावती की सरकार बनी तो किसी भी दल की जरुरत बीएसपी को नहीं पड़ी। हालांकि 2012 आते-आते पार्टी का ग्राफ गिरने लगा।

चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा, पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। 2019 में बहुजन समाज पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और 10 सीट पाने में कामयाब हुई।एक समय पार्टी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी और इंद्रजीत सरोज का जलवा था। पर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हुआ। पार्टी ने अकेले दम पर चुनाव लड़ा। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट को छोड़ पार्टी कहीं भी नहीं जीत पाई। रसड़ा के बारे में माना जाता है कि यहां से विधायक उमाशंकर सिंह निर्दलीय भी लड़े तो भी जीतने में सक्षम हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से पार्टी ने अकेले लड़ने का फैसला किया। लेकिन पार्टी का खाता तक नहीं खुला।

बहुजन समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही। बसपा सुप्रीमो मायावती का टेरर इस कदर था कि पार्टी के नेता और सरकारी अधिकारी उनसे घबराते रहे। पार्टी में उस समय ऐसे कद्दावर नेता थे जो दूसरी पार्टियों में नहीं थे। इनमें नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मायावती के बाद दूसरे नंबर का माना जाता था।आरके चौधरी का नाम बसपा के बड़े नेताओं नें शामिल था। पार्टी से बाहर होने के बाद सपा से सांसद हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, बाबू सिंह कुशवाहा, इंद्रजीत सरोज, आरके चौधरी, लाल जी वर्मा और अशोक सिद्धार्थ जैसे बड़े नेता पार्टी में थे। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं देशभर में पार्टी का दबदबा था। धीरे-धीरे पार्टी के नेताओं पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए बीएसपी सुप्रीमो ने एक्शन लेना शुरू किया और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया।ज्यादातर नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया और वर्तमान में विधायक, सांसद और राष्ट्रीय महासचिव तक बने हुए हैं, जबकि बहुजन समाज पार्टी की स्थिति यह हो गई है कि मायावती के बाद कोई ऐसा नामचीन चेहरा पार्टी में नहीं रह गया है जो जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हो।

गौर करने वाली बात यह भी है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में गिनी चुनी जनसभाएं ही करती हैं, जिसके चलते जनता पर उसका प्रभाव भी नहीं पड़ रहा है। यही वजह है कि देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद भी पार्टी की एक भी सीट नहीं निकल पा रही है।बसपा सुप्रीमो मायावती अपने सख्त एक्शन के लिए हमेशा से जानी जाती हैं। बुधवार (12 फरवरी) को भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई कर नेताओं को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया था कि पार्टी में अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी, फिर चाहे कोई कितना भी करीबी क्यों न हो।मायावती ने पार्टी से भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर कर दिया था।

मायावती की कार्रवाई का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर में रैली के दौरान कुछ ऐसा भाषण दिया जो मायावती को नागवार गुजरा। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे पर ही कार्रवाई कर दी। पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद उनसे यह अधिकार वापस ले लिया। हालांकि जब सब मामला शांत हो गया तब फिर से भतीजे को वही पद वापस किया।

मायावती ने दो बड़ी घोषणाएं की हैं, एक उत्तराधिकारी को लेकर और दूसरा राजनीतिक परिवारों में वो किसी तरह की रिश्?तेदारी नहीं करेंगी। आकाश आनंद का अशोक सिद्धार्थ के एक राजनीतिक परिवार में रिश्?ता किया गया था। ऐसे में दोनों घोषणाओं को अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद से जोड़कर के देखा जा रहा है। आकाश आनंद लोकसभा चुनाव के दौरान जिस आक्रामकता के साथ प्रचार करते नजर आए थे, उससे ऐसा लगा था कि पार्टी में अब चेहरा आकाश आनंद ही बचे हैं। हालांकि एक युवा और आक्रामक नेता होने के बावजूद पार्टी को चुनाव में कोई फायदा नहीं हुआ।

बसपा के राष्?ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में यह तय किया गया कि पार्टी मजबूती से पहले अपने संगठन को ठीक करेगी और वोट बैंक तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव कहीं न कहीं बसपा के राजनीतिक भविष्?य का तय करने वाला चुनाव होगा। यदि पिछले चुनावों जैसी हालत ही इस बार भी होती है तो बसपा बचेगी या उस पर संकट आ जाएगा, यह बड़ा सवाल है।

बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन अब समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसके लिए प्रकृति प्रदत्त मानव संसाधनों का बेतहाशा उपयोग और जंगलों का निर्ममता से किया गया अत्यधिक कटान तो जिम्मेदार है ही, इसमें भौतिक संसाधनों के सुख की मानवीय चाहत और विभिन्न क्षेत्रों के प्रदूषण के योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। बढ़ता वैश्विक तापमान और उसके चलते मौसम में आये अप्रत्याशित बदलाव का दुष्प्रभाव जीवन के हर पक्ष पर पड़ रहा है। इससे हमारा पर्यावरण, जीवन, रहन-सहन, भोजन, पानी, और स्वास्थ्य पर प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

तात्पर्य यह कि जीवन का कोई भी पक्ष इसके दुष्प्रभाव से अछूता नहीं है। असलियत में जलवायु परिवर्तन से बदलता मौसम भोजन, स्वास्थ्य और प्रकृति को जो नुकसान पहुंचा रहा है, उसकी भरपाई फिलहाल तो आसान नहीं दिखाई देती। हां, इसके चलते प्राकृतिक असंतुलन के कारण जन्मी आपदाएं भयावह रूप जरूर अख्तियार करती जा रही हैं जो तबाही का सबब बन रही हैं। धरती के लिए यह चेतावनी भी है कि अब भी समय है, संभल जाओ, यदि अब भी नहीं संभले, तो यह संकट लगातार गहराता चला जायेगा। तब इसका मुकाबला कर पाना बहुत मुश्किल होगा।

आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे। फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं।

यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल-दर-साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं।

बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए। 1993 से 2022 के बीच देश में हुई चरम मौसमी घटनाओं में करीब 80 हजार लोगों की जानें गयीं। जबकि दुनिया में आठ लाख लोग मौत के मुंह में चले गये और 4.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इन आपदाओं से सालाना 2000 डॉलर का देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ रहा है, साथ ही 2675 जिंदगियां हर साल इनकी शिकार होती हैं।

इस बारे में जलवायु विशेषज्ञ लारा शेफर कहते हैं कि समूची दुनिया में जलवायु संकट तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। पिछले तीन दशक सबूत हैं कि ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से चरम मौसमी घटनाओं से जूझ रहे हैं। हम जलवायु संकट के अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह समाज को अस्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी दुनिया के 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या होगी। सबसे बड़ा सवाल लोगों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाने का है। यूरोपीय मानवाधिकार अदालत का भी मानना है कि दुनिया के देशों का दायित्व है कि वे अपने नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाने का हर संभव प्रयास करें।

अर्द्धसत्यों के दौर में सत्य की अंतहीन तलाश

सुशांत ने आत्महत्या की तो उसका कारण क्या रहा? अगर उसकी हत्या की गई तो हत्यारे का मोटिव क्या रहा? हम देखते रहते हैं लेकिन ऐसी हर कहानी उन सवालों का अक्सर जबाव नहीं दे पातीं जो बार-बार पूछे जाते हैं। कई बार ऐसी कहानियां बीच में बंद हो जाती हैं,कई बार वे बीच-बीच में टुकड़ों के रूप में आती रहती हैं। अगर किसी कहानी के पात्र समाज के बड़े लोग हैं, वे सेलिब्रिटी हैं, नामी-गिरामी हैं, आइकन हैं तो उनकी कहानियां जिस तरीके से आती, उसी तरीके से विदा हो जाती हैं। पहले वे बड़ी खबर की तरह ब्रेक होती हैं, फिर वे खबरें टुकड़े-टुकड़े आती हैं। फिर जांच की बात होती है, कुछ पुलिस की खबरें भी आती हैं। फिर जांच बैठा दी जाती है और जैसे ही जांच बैठती है वैसे ही कहानी 'आउट' हो जाती है।

सुधीश पचौरी

कुछ दिन बजने के बाद यह अपराध कथा भी ठंडे बस्ते में चली गई। इससे पहले सुशांत सिह राजपूत की हत्या या आत्महत्या से संबंधित अपराध कथा आई थी जो कई दिनों तक चैनलों में छाई रही, सोशल मीडिया में जिस तिस के नाम उछलते रहे, लोगों की जिज्ञासा बढ़ती रही- लोग सोचते रहे कि सच अब आया अब आया सबके सामने लेकिन असल सच अब तक न आ सकाज।

कुछ पहले एक बड़े हीरो के बेटे को नशे के आरोप में गिरफ्तार किया गया तो मीडिया में सनसनी मची। लेकिन फिर एक दिन वो छूट गया और यह मसालेदार कहानी भी ठंडी हो गई।

ऐसे ही एक अन्य बड़े हीरो को एक माफिया से धमकियां मिलीं। फिर एक दिन घर पर गोलियां चलीं.. बड़ी कहानी बनी और फिर मीडिया ने भुला दिया। इसी बीच उसके एक मित्र को सरेआम गोलियां मारी गई। कुछ दिन की खबर रही फिर यह कहानी भी किनारे हो गई।

हमारे मीडिया में आती ऐसी कहानियां पहले तो तेजी से आती हैं, सनसनी मचाती हैं, फिर एक दिन मीडिया उनको भूल जाता है।

ऐसी हर बड़ी नामी कहानी को हमारा मीडिया अचानक 'ब्रेक' करता है- वह आते ही सनसनी फैला देती है- लोग उसे टीवी चैनलों में और सोशल मीडिया पर टुकड़े-टुकड़े खुलते देखते हैं। ऐसी हर कहानी सीरियल का रूप ले लेती है- हर दिन उसके एपिसोड आते रहते हैं और एक दिन वो बिना नतीजे के गायब हो जाती है।

सुशांत ने आत्महत्या की तो उसका कारण क्या रहा? अगर उसकी हत्या की गई तो हत्यारे का मोटिव क्या रहा? हम देखते रहते हैं लेकिन ऐसी हर कहानी उन सवालों का अक्सर जबाव नहीं दे पातीं जो बार-बार पूछे जाते हैं।

कई बार ऐसी कहानियां बीच में बंद हो जाती हैं,कई बार वे बीच-बीच में टुकड़ों के रूप में आती रहती हैं।

अगर किसी कहानी के पात्र समाज के बड़े लोग हैं, वे सेलिब्रिटी हैं, नामी-गिरामी हैं, आइकन हैं तो उनकी कहानियां जिस तरीके से आती, उसी तरीके से विदा हो जाती हैं।

पहले वे बड़ी खबर की तरह ब्रेक होती हैं, फिर वे खबरें टुकड़े-टुकड़े आती हैं। फिर जांच की बात होती है, कुछ पुलिस की खबरें भी आती हैं। फिर जांच बैठा दी जाती है और जैसे ही जांच बैठती है वैसे ही कहानी 'आउट' हो जाती है।

अगर कोई कहानी कुछ चलती भी है तो बहुत जल्द उसमें धर्म और जाति आ जाते हैं और फिर हर कथित आरोपी को धर्म या जाति के चश्मे से देखा जाने लगता है- ऐसी हर कहानी बीच में दम तोड़ देती है।

यही हम राजनीतिक अपराध कथाओं में होता देखते हैं- एक दिन खबर आती है कि कोई लाखों करोड़ों का चूना लगाकर विदेश भाग गया है। या कहीं किसी ने बड़ा गबन कर दिया है। या कहीं किसी ने पैसे का बड़ा फ्राड कर दिया है। या तो किसी बड़े नेता या अफसर के बिस्तर में छिपाए गए करोड़ों के नोट मिले हैं।

लेकिन ऐसी अधिकांश कहानियां भी एक हद के बाद अपनी मौत अपने आप मर जाती हैं या मार दी जाती हैं।

हर ऐसी कहानी हमें थोड़ा सच और बहुत सारा झूठ परोस कर निकल जाती है। ऐसी हर अधूरी कहानी हमें असतुंष्ट कर छोड़ जाती है और इसीलिए हर बार हम ऐसी अपराध कथाओं का अंत देखने के लिए उनको फॉलो करते रहते हैं। ऐसी हर कहानी हमारे अंदर किसी गोपीचंद जासूस को जगा देती है और हम ऐसी हर कथा के प्राइवेट जासूस बन जाते हैं। ऐसे में हम अपनी कल्पना से ऐसी कहानी को पूरा करते रहते हैं। यही अपराध कथा का चस्का है।

ऐसी हर कहानी एक आधी-अधूरी अपराध कथा होती है। जिसे मीडिया ने मैनेज कर लिया होता है। और मीडिया को किसी ताकतवर ने मैनेज कर लिया होता है।

फिर भी हम-आप 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' को सत्य का अधिष्ठान मानते हैं और मानते हैं कि कैमरा कभी झूठ नहीं बोलता।

फिर, आज के 'सोशल मीडिया' के 'आल्ट न्यूज' या 'फेक न्यूज' ने सच व झूठ को एक-दूसरे में इतना मिक्स कर दिया है कि हम सच को झूठ से अलगाकर नहीं देख पाते और रही कसर 'कृत्रिम बुद्धि' ने पूरी कर दी है। जहां मूल क्या है और नकल क्या है इसका पता ही नहीं चलता। शायद इसी वजह से हम मीडिया के हर सच में एक झूठ खोजते रहते हैं और हर झूठ में एक सच खोजते रहते हैं।

इस तरह हम एक ही वक्त में इतनी तरह के अर्द्धसत्यों में रहते हैं कि हम भूल जाते हैं कि खुद 'मीडिया के सच में' सच कितना है। और फिर कुछ देर बाद थककर हम सच को तलाशना ही बंद कर देते हैं।

सच को झूठ और झूठ को सच बनाने की कला का नाम ही 'नेरेटिव' है जो किसी भी दृश्यमान या लिखित सच को एक ऐसी कहानी में ढाल देता है जिसमें आकर 'गलत' बात भी 'सही' नजर आने लगती है। हम संशय में रहने लगते हैं कि कोई 'अपराधी' अपराधी था भी कि नहीं, कोई 'भ्रष्ट' भ्रष्ट था भी कि नहीं।

इस तरह एक ओर हम मीडिया के 'सच' बताने के दावे को सच मान उसके बनाए बताए 'सच' पर भरोसा करने लगते हैं, दूसरी ओर 'सच' को 'झूठ' और 'झूठ' को 'सच' बनाने-बताने की उसकी कला के भी कायल होते रहते हैं। और फिर भी मीडिया पर भरोसा करते रहते हैं कि उसने जो बताया दिखाया वो सच ही होगा।

इन दिनों मीडिया का प्रिय शब्द 'नेरेटिव' यही काम करता है– वह पहले एक कहानी बुनता है और उसकी डोरी पर अपना समांतर 'सच' और 'झूठ' एक साथ फैलाता है, तानता है, सुखाता है और फिर उसे क्रीज कर यानी अनुशासित कर उसका अच्छा पैकेज बनाकर हमें ही बेच देता है।

इसीलिए कई विशेषज्ञों का मानना है कि मीडिया का सच पूरा सच कभी नहीं होता बल्कि 'नेरेटिव' में आकर वह एक कहानी में आकर हर सच, आधा सच और आधा झूठ बन जाता है। ऐसा नेरेटिव किसी कथित सच को भी ऐसी कहानी के हिस्से के रूप में कहता है जो सच न होते हुए सच लगती है।

आधुनिक युग में जब से सर्वशक्तिमान की मृत्यु घोषित की गई है तब से 'सत्य' फिल्म 'दृश्यम?' के गढ़े हुए सत्य की तरह रह गया है। जिसके एक सत्य का निर्माण फिल्म का नायक करता है तो दूसरे सत्य का निर्माण पुलिस करती है। और अंत में जो सच था वो प्रमाण के अभाव में अनिर्णीत रह जाता है। और हम भी सच-झूठ को एक कहानी मानकर अगली कहानी का इंतजार करने लगते हैं!

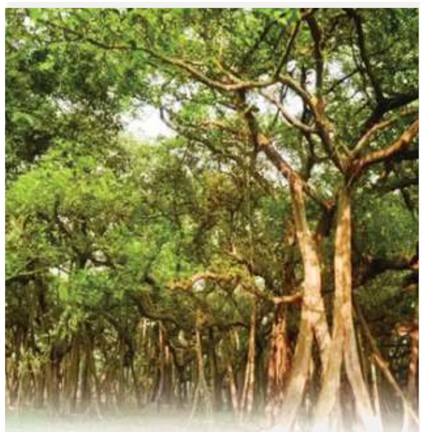

कोलकाता में है दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़

भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

आपने आजतक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए इंसान को ही देखा होगा, या तो वो अपनी फिटनेस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं या फिर अपनी कला की वजह से उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए देखा जा रहा है, कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र को लेकर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं। लेकिन भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

कब लगाया गया था ये पेड़

ये विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में स्थित है। 1787 में इस पेड़ को यही स्थापित किया गया था। उस दौरान इसकी उम्र करीबन 20 साल थी। पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं, जिसकी वजह से ये हर किसी को देखने में ऐसा लगता है, जैसे कोई जंगल में आ गया हो। इस देखकर आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि ये सिर्फ पेड़ है।

इस एक पेड़ पर पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां

14,500 वर्ग मीटर में फैला ये पेड़ करीबन 24 मीटर ऊंचा है। इसकी 3 हजार से अधिक जटाएं हैं, जो अब जड़ों में बदल चुकी हैं। इस वजह से भी इसे दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ या वॉकिंग ट्री भी कहते हैं। आपको जानकार शायद हैरानी हो इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं।

तूफान की वजह से जड़ें हो गई थी बीमार

साल 1884 और 1925 में कोलकाता में आए चक्रवाती तूफानों ने बरगद के पेड़ को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस वजह से शाखाओं में फंफूदी लग गई थी, जिस वजह से उन्हें काटना पड़ गया था। आज बॉटनिकल गार्डन में यही एक बड़ा पेड़ है, हालांकि दुनियाभर से लाए गए सैकड़ों अन्य विदेशी पौधों की प्रजातियां आपको इस पार्क में दिख जाएंगी।

पेड़ की देखरेख के लिए बनाई गई है एक टीम

वर्ष 1987 में भारत सरकार ने इस बड़े से बरगद के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। इसे बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी मानते हैं। पेड़ की देखरेख 13 लोगों की एक टीम द्वारा की जाती है, जिसमें आपको बॉटनिस्ट से लेकर माली तक हर कोई मिल जाएगा। समय-समय पर इस पेड़ की जांच भी की जाती है, ये देखने के लिए इसे किसी भी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंच रहा।

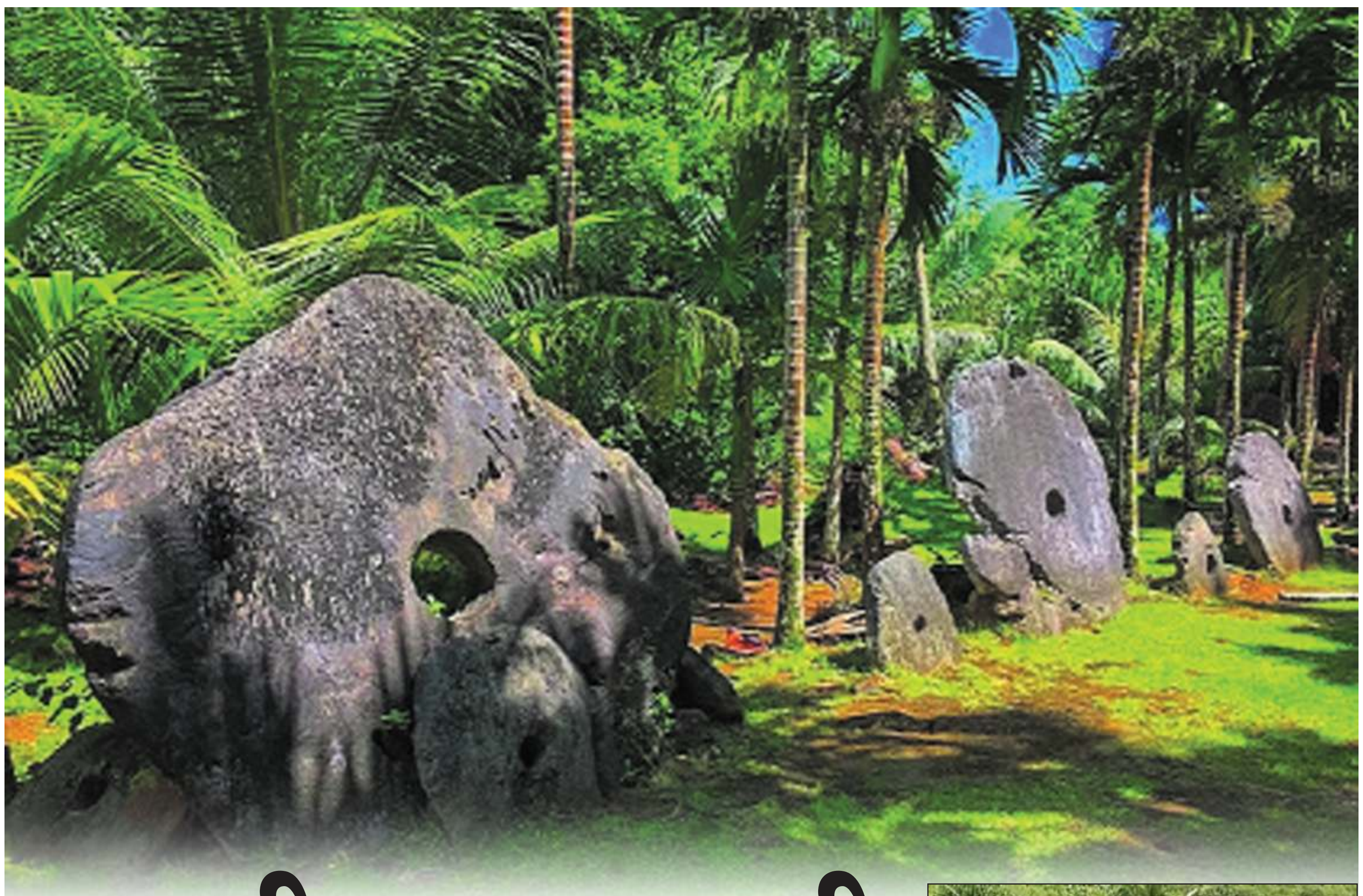

याप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है याप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से याप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी याप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप याप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो याप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

याप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले याप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर

इन्हें नावों में लाद कर यहां याप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है। पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले याप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब याप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें याप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद शुरुआत में पत्थरों की कीमत सीपियों की संख्या से तय होती थी क्योंकि पत्थरों से पहले सीपी को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जैसे एक पत्थर के बदले पचास सीपी दी जाती थीं। आज फुटकर करेंसी के तौर पर याप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की याप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती

है। आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

पर्यावरण प्रेमी चिड़िया मोरगला पतेना

पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।

ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की ओर रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुंदेलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुदेंलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलंकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं। इन गुफाओं के रास्तों की शुरुआत तो किले से ही

जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप का जेलेंस्की को बड़ा झटका!

यूक्रेन को सैन्य सहायता पर लगाई रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- जेलेंस्की शांति नहीं चाहते

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को एक और झटका दिया है। दरअसल, ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोक दी है। यह भी आदेश दिया गया है कि यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि यूक्रेन और देश के नेता शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को सैन्य सहायता निलंबित करने का आदेश जारी किया, जिससे कीव पर रूस के साथ शांति वार्ता करने का दबाव बढ़ गया है। यह कदम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच दुनिया के सामने कैमरे पर हो रहे टकराव, बहस और तकरार के बीच उठाया गया है, क्योंकि ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जेलेंस्की बिना सुरक्षा गारंटी के किसी भी मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं।

इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में गरज के साथ बारिश और बर्फबारी होगी। हरियाणा, चंडीगढ़ में भी गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

पंजाब में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और ओलावृष्टि की भी संभावना है। उत्तराखंड में भी छिटपुट से लेकर हल्की-मध्यम बारिश/बर्फबारी की संभावना है। पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसके प्रभाव से अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जेलेंस्की पर नाराज हुए ट्रम्प, कहा- वे शांति नहीं चाहते

ब्लूमबर्ग ने रक्षा विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि क्या जेलेंस्की रूस के साथ शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन के एक अधिकारी ने

फॉक्स न्यूज से कहा कि यह मदद स्थायी तौर पर नहीं रोकी गई है। जेलेंस्की की सैन्य मदद रोकने से कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा- जेलेंस्की नहीं चाहते कि जब तक उन्हें अमेरिका का समर्थन हासिल है, तब तक शांति हो। यह जेलेंस्की की तरफ से दिया गया सबसे खराब बयान है। अमेरिका इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

यूक्रेन की 8.7 हजार करोड़ रुपए की मदद रुकी

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था। ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

यूक्रेन पर 2 से 4 महीने में दिखेगा मदद रूकने का असर

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है। कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मतलब ये है कि यूक्रेन को अब किसी भी हाल में पीस डील को स्वीकार करना पड़ेगा। कैन्सियन ने चेतावनी दी कि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन को कमजोर करने के लिए और भी कई तरीके आजमा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन को दी जाने वाली खुफिया जानकारी बंद कर और यूक्रेनी सेना को मिल रही ट्रेनिंग रोककर जेलेंस्की को घुटनों पर ला सकते हैं।

यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने के फैसले से क्या असर पड़ेगा

अमेरिका यूक्रेन का एक प्रमुख समर्थक रहा है। पिछले 3 साल में अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में हथियार, गोला-बारूद और वित्तीय सहायता दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मदद के बंद होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता पर असर पड़ेगा। यूक्रेन को अपने इलाके पर पकड़ बनाए रखने में मुश्किलें आ सकती हैं। यूक्रेन की सेना अमेरिका से मिले हथियारों खासकर तोप, ड्रोन और मिसाइल सिस्टम पर बहुत निर्भर रहा है। इसके बंद होने के बाद यूक्रेन का रूसी हमलों का जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। इससे रूस, यूक्रेन के कुछ और इलाकों पर कब्जा कर सकता है।

अमेरिका के साथ बातचीत को तैयार हुए थे जेलेंस्की

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 3 मार्च को कहा था कि वे अमेरिका-यूक्रेन मिनरल्स डील पर दस्तखत करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने लंदन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि वे पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहस के बाद भी अमेरिका के साथ बातचीत करने को इच्छुक हैं। जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में हुई उस घटना का अमेरिका या यूक्रेन को नहीं, बल्कि सिर्फ रूसी राष्ट्रपति पुतिन को फायदा पहुंचा है। उन्होंने कहा, अगर मुझे मिनरल डील के लिए बुलाया जाता है तो मैं व्हाइट हाउस वापस जाऊंगा। जेलेंस्की ने शांति के लिए सुरक्षा गारंटी की शर्त फिर से रखी जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी की मांग सुनी जाएगी। दोनों पक्ष इस पर सहमत होते हैं तो डील पर दस्तखत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे बस इतना चाहते हैं कि यूक्रेन का पक्ष भी सुना जाए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे साझेदार याद रखें कि इस जंग में हमलावर कौन है। जेलेंस्की ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि हम अमेरिका की अहमियत को समझते हैं। ऐसा कोई भी दिन नहीं गुजरा जब हमने अमेरिका का एहसान न माना हो। जेलेंस्की ने फिर कहा कि हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि शांति के लिए सुरक्षा गारंटी जरूरी है। यह पूरे यूरोप की स्थिति है।

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में बढ़ती अमेरिकी सैन्य गतिविधि पर भड़कीं किम की बहन, कहा- हमें अपनी रक्षा करना आता है

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को अमेरिका की तरफ से दक्षिण कोरिया में एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती और अन्य अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के जवाब में बड़े पैमाने पर उकसावे की धमकी दी है। किम यो जोंग ने इसे अमेरिका और उसके दासों की संघर्ष की मानसिकता करार दिया और चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कार्रवाईयों को बढ़ा सकता है। किम यो जोंग ने कहा कि अमेरिका ने यूएसएस कार्ल विंसन और अन्य अमेरिकी सैन्य संपत्तियों को तैनात कर के स्पष्ट रूप से उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी सबसे शत्रुतापूर्ण और संघर्षात्मक मंशा दिखाई है। उनका यह बयान इस बात को संकेत देता है कि उत्तर कोरिया अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियों को बढ़ा सकता है, जिनमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हो सकती हैं, जो अमेरिका के मुख्य भूमि या क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बना सकती हैं। इससे पहले, रविवार को यूएसएस कार्ल विंसन और उसका स्ट्राइक समूह दक्षिण कोरिया पहुंचे थे। यह तैनाती उत्तर कोरिया की तरफ से किए गए मिसाइल परीक्षणों के जवाब में अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी। वहीं दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने किम यो जोंग के बयान को तर्कहीन बताया और कहा कि यह उत्तर कोरिया के परमाणु विकास और भविष्य के उकसावों को सही ठहराने की कोशिश है। उत्तर कोरिया अमेरिकी सैन्य तैनाती को अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है और अक्सर इसका जवाब मिसाइल परीक्षणों से देता है। जबकि, विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फिर से कूटनीति शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि वह वर्तमान में रूस के युद्ध में समर्थन दे रहे हैं।

जापान की आईस्पेस 6 जून को चंद्रमा पर उतरने का दूसरा प्रयास करेगी

टोक्यो, एजेंसी। जापानी चंद्रमा अन्वेषण कंपनी आईस्पेस ने कहा कि उसका रेजिलिएंस लैंडर 6 जून को स्थानीय समयानुसार सुबह 4:24 बजे चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करेगा, जो अप्रैल 2023 में पहला प्रयास विफल होने के बाद उसका दूसरा प्रयास होगा। यह रविवार को अमेरिकी कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस के ब्लू घोस्ट अंतरिक्ष यान की सफल चंद्रमा लैंडिंग के बाद होगा, जिसने जनवरी में आईस्पेस के रेजिलिएंस के साथ एक ही स्पेसएक्स रॉकेट साझा किया था। वहीं एक अन्य अमेरिकी फर्म, इंट्यूटिव मशीन्स ने भी पिछले सप्ताह अपना दूसरा चंद्र लैंडर एथेना लॉन्च किया और आने वाले दिनों में चांद पर उतारने का लक्ष्य रखा है।

एम23 विद्रोहियों ने 130 मरीजों का किया अपहरण

किंसाशा, एजेंसी। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में चल रही हिंसा के बीच एम23 विद्रोही लगातार कब्जा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि एम23 विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक प्रमुख शहर के दो अस्पतालों से कम से कम 130 बीमार और घायल लोगों का अपहरण कर लिया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने बताया कि 28 फरवरी को एम23 विद्रोहियों ने गोमा स्थित सीबीसीए एनडोशो अस्पताल और हील अफ्रीका अस्पताल पर हमला किया। विद्रोहियों ने सीबीसीए से 116 रोगियों और हील अफ्रीका से 15 अन्य लोगों को अगवा कर लिया। विद्रोहियों को शक था कि अस्पताल में भर्ती मरीज कांगो सेना के सैनिक या सरकार समर्थक वाजालेंडो मिलिशिया के सदस्य थे। शमदासानी ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि एम23 ने अस्पताल के बिस्तरों से मरीजों को अगवा किया।

दीपिका की कॉपी पाकिस्तानी एक्ट्रेस का भारत में धमाल

यूट्यूब पर शो ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, धड़ाधड़ बढ़ रहे फैंस

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तानी ड्रामा शो आजकल दुनियाभर में छाए हुए हैं और भारत में भी लोग इसे देखना काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब के माध्यम से आसानी से कोई भी शो कहीं से भी देखा जा सकता है, यही कारण है कि पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के शो ने यूट्यूब में पर रिकोर्ड तोड़ दिया है।

हानिया आमिर का शो मुझे प्यार हुआ था, जो अब प्रतिष्ठित 1 बिलियन क्लब में शामिल हो गया है। वहाज अली और हनिया आमिर अभिनीत मुझे प्यार हुआ था शो को अपने समापन के एक साल से भी अधिक समय के बाद यूट्यूब पर 1 बिलियन से अधिक बार देखा गया है।

इस पाकिस्तानी ड्रामा में हानिया आमिर और वहाज अली ने अहम किरदार निभाया है। इसके गाने ने पाकिस्तान ही नहीं भारत के

लोगों को भी अपना दीवाना बना लिया था। इस धारावाहिक को 2022 में रिलीज किया गया था। हाल ही में हानिया ने अपने इंस्टाग्राम से एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में हानिया बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की फिल्म ओम शांति ओम के एक फेमस सीन को रीक्रिएट किया है। इस वीडियो में हानिया बेहद ग्लैमरस और ब्यूटीफुल लग रही हैं।

कई देशों में मॉडलिंग कर रही एलन मस्क की मां

वाशिंगटन , एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से विदेशी नेता अमेरिकी प्रशासन को प्रभावित करने की कोशिशों में जुटे हैं। इस बीच दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की मां माये मस्क ने पिछले छह महीने में चीन, कजाखस्तान और संयुक्त अरब अमीरात) की यात्राएं की हैं। 76 वर्षीय माये मस्क कई सालों से मॉडलिंग, लेक्चर देने और अपनी किताब के प्रमोशन के लिए विश्व यात्रा करती रही हैं, लेकिन हाल के समय में उनकी मांग विदेशों में बढ़ी है।

माये मस्क की विदेश यात्राओं का बढ़ता पैटर्न: माये मस्क एलन मस्क के परिवार से हैं और इलॉन मस्क को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीबी माना जाता है। ट्रम्प के प्रशासन में फौजी खर्च और विदेशी सहायता तय करने में मस्क की अहम भूमिका रही है। माये मस्क ने 2024 के अंत में चार बार चीन यात्रा की, जहां उन्होंने मॉडलिंग या प्रोडक्ट प्रमोशन के लिए काम किया। इस दौरान उन्होंने मेकअप प्रोडक्ट, जैकेट और मसाज डिवाइस जैसे सात ब्रांड्स का प्रचार किया। इन यात्राओं का सरकारी मीडिया में

अच्छा कवरेज भी हुआ है।

कजाखस्तान और दुबई की यात्राएं: अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से तीन हफ्ते पहले माये मस्क ने कजाखस्तान में महिलाओं के एक फोरम में हिस्सा लिया। इसके बाद जनवरी में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से एक सप्ताह पहले माये मस्क दुबई में थीं। वहां उन्होंने इंफ्लूएंसर्स की एक सरकारी कॉन्फ्रेंस में भाषण दिया। ट्रम्प के चुनाव अभियान का समर्थन करने के बाद माये मस्क की ये विदेश यात्राएं हुई हैं। माये मस्क की कई देशों की यात्राओं पर मीडिया ने चिंता जताई गई है। यह चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि माये मस्क के विदेशी यात्राओं और उनके बेटे एलन मस्क के ट्रम्प के साथ रिश्तों को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं।

डॉक्टरों ने अदियाला जेल पहुंचकर इमरान खान की स्वास्थ्य जांच की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में डॉक्टरों की टीम ने अदियाला जेल पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की स्वास्थ्य जांच की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार्रवाई मीडिया में पूर्व पीएम के स्वास्थ्य जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद की गई। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से इस्लामाबाद के अदियाला जेल में बंद हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता व्यक्त की थी। पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) की एक टीम ने सोमवार को अदियाला जेल पहुंचकर इमरान की स्वास्थ्य जांच की। चार सदस्यीय डॉक्टरों की टीम का नेतृत्व ईएनटी विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ हुसैन ने किया। टीम में अस्तपाल के डेंटल डिपार्टमेंट के डॉ उमर फारुक, जनरल मेडिसिन विभाग के डॉ मुहम्मद अली आरिफ और सर्जरी विभाग के डॉ तशफीन इम्तियाज शामिल थे।

जर्मनी के मैनहेम में लोगों पर जानबूझकर कार चढ़ाई, 2 की मौत

3 महीने में कार से हमले की तीसरी घटना

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के मैनहेम में कार्निवल के दौरान सोमवार को एक कार चालक ने जानबूझकर पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। जर्मनी के बिल्ड न्यूज पेपर के मुताबिक इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं है कि ड्राइवर ने जानबूझकर ऐसा किया या ये हादसा गलती से हुआ। पुलिस ने इलाके में लॉकडाउन लगाया है। जर्मनी में तीन महीने के अंदर कार से लोगों पर हमले की यह तीसरी घटना है। जनवरी में म्यूनिख शहर में एक अफगानी शरणार्थी ने लोगों पर कार चढ़ा दी थी। इस हादसे में 2 लोग मारे गए थे, जबकि 28 से ज्यादा घायल हुए थे। वहीं, दिसंबर में मैगडेबर्ग शहर के क्रिसमस मार्केट में तेज रफ्तार कार ने सैकड़ों लोगों को रौंद दिया था। इस हमले में 5 लोग मारे गए थे, जबकि 200 घायल हुए थे। घायलों में 7 भारतीय भी थे। इस हमले को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12.15 बजे (भारतीय समय के

मुताबिक शाम 4:45 बजे) अंजाम दिया गया। जर्मन मीडिया ने बताया कि मैनहेम की मुख्य शॉपिंग स्ट्रीट प्लैंकन में एक काली स्ड्कू ने तेज रफ्तार से कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। यह कार प्लैंकन में परेडप्लाट्ज स्क्वायर से शहर के फेमस वॉटर टावर की तरफ जा रही थी।

एफबीआई के न्यूयॉर्क प्रमुख का इस्तीफा, बोले- मुझे मिला था आदेश

ब्यूरो में बड़े पैमाने पर छंटनी की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के न्यूयॉर्क कार्यालय के प्रमुख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने के लिए आदेश दिया गया था। जेम्स डेनही ने सोमवार को अपने सहयोगियों को एक संदेश में बताया कि शुक्रवार को उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन इसका कोई कारण नहीं बताया गया। यह घटना एफबीआई के लिए एक अशांत समय में हुई है, क्योंकि पिछले महीने काश पटेल नए एफबीआई निदेशक बने थे और डैन बॉन्गिनो, जो ट्रंप के समर्थक और कंज़र्वेटिव पॉडकास्ट होस्ट हैं, को उप निदेशक नियुक्त किया गया है।

एफबीआई के अंदर हालात और भी जटिल

फिलहाल, एफबीआई के भीतर स्थिति और भी जटिल हो गई है, जब न्याय विभाग ने 6 जनवरी, 2021 को अमेरिकी कैपिटल में हुई हिंसा से संबंधित जांच में शामिल हुए एफबीआई एजेंट्स की सूची देने का आदेश दिया। इस आदेश को कुछ लोगों ने एफबीआई में बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत माना। डेनही, जो एक सेवानिवृत्त मरीन हैं, इस आदेश

का विरोध करते हुए एक संदेश में कहा था कि वह इस मामले में डिगने के लिए तैयार नहीं थे।

हम झुकेंगे नहीं, हम हारेंगे नहीं- जेम्स डेनही

वहीं जेम्स डेनही ने अपने इस्तीफे के बाद कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कई बार सुना है, जब आप गड्ढे में हों, तो खुदाई बंद कर दो, लेकिन मुझे इस पर भरोसा नहीं है। मैं कभी भी इस संगठन की रक्षा करना बंद नहीं करूंगा, बस इसे बाहर से गर्व से करूंगा। डेनही ने यह भी कहा कि वह एफबीआई की स्वतंत्रता को याद करेंगे और कहा, हम झुकेंगे नहीं, हम हारेंगे नहीं, हम जो सही है उसे किसी के लिए भी बलि नहीं चढ़ने देंगे। वहीं जेम्स डेनही के इस पूरे बयान पर एफबीआई ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है और न्याय विभाग ने भी तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बांग्लादेश में जीका वायरस के पांच मामलों की हुई पहचान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरिया डिजीज रिसर्च, बांग्लादेश (आईसीडीडीआर-बी) के वैज्ञानिकों ने देश में जीका वायरस से संक्रमित पांच मामलों की पहचान की है। संक्रमित मरीजों से सैंपल 2023 में एकत्र किए गए थे और यह बांग्लादेश में जीका वायरस से संक्रमित मरीजों के पहले समूह की पहचान है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जीका वायरस के मामलों की पहचान ने बांग्लादेश में इस बीमारी के वास्तविक प्रभाव को जानने के लिए बड़े पैमाने पर देशव्यापी जांच की मांग की है। संक्रमित मरीज एक-दूसरे से एक किलोमीटर के दायरे में रहते थे और पिछले दो सालों में देश के बाहर यात्रा नहीं की थी। पांच जीका वायरस से संक्रमित मरीजों में से एक को डेंगू वायरस भी था। यह बांग्लादेश में पहली बार ऐसा हुआ है जब दो वायरस का एक साथ संक्रमण पाया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह वायरस शायद उन बांग्लादेशी प्रवासियों से फैला होगा जो दक्षिण एशिया के जीका वायरस प्रभावित देशों में काम कर रहे थे। ये मजदूर शायद संक्रमित हो गए और अपने समुदायों के भीतर और बाहर बांग्लादेश में वायरस फैला दिया। आईसीडीडीआर ने सुझाव दिया कि अधिक निदान क्षमता विकसित की जानी चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित निगरानी से भविष्य में प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

गौतम अडानी का कर्ज अपने सिर लेगा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक और सबसे सफल हेज फंड्स में से एक सिटाडेल ने गौतम अडानी के कर्ज को खरीदने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक यह बातचीत 750 मिलियन डॉलर के कर्ज को खरीदने के लिए है जिसे अडानी ग्रुप रिफाइनेंस करना चाहता है। अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे अडानी के लिए यह डील एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। इसकी वजह ब्लैकरॉक .10 ट्रिलियन से ज्यादा एसेट मैनेज करती है। भारत में ब्लैकरॉक ने टाटा मोटर्स और रिलायंस जियो की फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ साझेदारी की है।

2022 में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से 750 मिलियन डॉलर के सीनियर सिक्योर्ड प्राइवेट प्लेसमेंट नोट्स खरीदे थे। एमआइएएल, अडानी की एक कंपनी है, जो मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा को ऑपरेट करती है। एमआइएएल का ज्यादातर हिस्सा अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के पास है, जो अडानी एंटरप्राइजेज की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

अडानी का एयरपोर्ट बिजनस- इस सात साल के कर्ज की शर्तें और कीमत अप्रैल-मई 2025 के बाद सख्त हो जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप इस कर्ज को रिफाइनेंस करना चाहता है। इसके अलावा अडानी ग्रुप कई हवाई अड्डों के अपग्रेडेशन और एक्सटेंशन के लिए एएएचएल में 750 मिलियन डॉलर और जुटाना चाहता है।

अमेरिका की टैरिफ वॉर पर ड्रैगन का पलटवार

बीजिंग एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से छेड़े गए टैरिफ वार पर चीन ने पलटवार किया। चीन ने मंगलवार को चिकन, पोर्क (सुअर का मांस), सोया और बीफ (गोमांस) सहित प्रमुख अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर 15 फीसदी तक का अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा घोषित शुल्क 10 मार्च से प्रभावी होंगे। शुल्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीनी उत्पादों के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 20 फीसदी करने के आदेश के बाद लागू किए गए हैं। ये शुल्क मंगलवार से प्रभावी हो गए हैं। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में उगाए गए चिकन, गेहूं, मक्का और कपास के आयात पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा। ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ, समुद्री भोजन, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर शुल्क 10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय से मिला 239 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 9138.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, कंपनी ने मंगलवार, 4 मार्च को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय से 239 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। डील के तहत, सोलर डिफेंस और एयरोस्पेस एक साल के भीतर मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड डिस्ट्रिब्यूट करेगा।

क्या है डिटेल

यह डील देश की सुरक्षा क्षमताओं में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई पर फोकस है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड हाई क्वालिटी वाले डिफेंस प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में सक्रिय है। बता दें कि इसस पहले 28 फरवरी को, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया ने ऐलान किया था कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनी के साथ डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई के लिए 2,150 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा दिए गए ये ऑर्डर अगले छह सालों में पूरे होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी के प्रबंधन ने यह भी कहा कि घरेलू बाजार में मंदी के कारण वह एफवाय25 के लिए पहले निर्धारित 30 प्रतिशत रेवेन्यू बढ़ोतरी टारगेट को पूरा नहीं कर पाएगी।

टाटा की कंपनी का आ रहा मोस्ट अवेटेड आईपीओ, इस साल का होगा सबसे बड़ा इश्यू!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी का एक और आईपीओ इस साल निवेश के लिए लॉन्च हो सकता है। टाटा समूह के मोस्ट अवेटेड आईपीओ चर्चा में हैं। बहुत जल्द निवेशक बहुत जल्द पैसे लगा सकेंगे। हम बात कर रहे हैं- टाटा कैपिटल के आईपीओ की। खबर है कि टाटा समूह अपनी फाइनेंस सर्विस यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर की वैल्यूएशन रख सकता है। यह इस साल भारत की सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी टीवी 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा समूह अपनी वित्तीय सेवा यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर के मूल्यांकन की मांग कर रहा है, जो इस साल भारत की सबसे बड़ी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश हो सकती है। टाटा कैपिटल लिमिटेड का आईपीओ 2 अरब डॉलर तक जुटा सकता है। हालांकि, टाटा के प्रतिनिधियों ने इस पर कुछ कहने से इनकार कर दिया है। बता दें कि टाटा कैपिटल के बोर्ड ने पिछले हफ्ते मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी की बिक्री के प्रस्ताव के साथ-साथ 230 मिलियन शेयरों की लिस्टिंग को मंजूरी दी थी। इसने 15.04 बिलियन रुपये (172 मिलियन डॉलर) के राइट्स इश्यू की भी घोषणा की।

कंपनी का कारोबार- बता दें कि टाटा कैपिटल एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान है। ये तथाकथित बैंक आम तौर पर उन ग्राहकों को कर्ज जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं जिनकी पारंपरिक बैंकिंग तक सीमित या कोई पहुंच नहीं है। मुंबई स्थित टाटा कैपिटल की वेबसाइट के अनुसार, पूरे भारत में 900 से अधिक शाखाएं हैं।

अस्थिरता के बावजूद देश में नौ महीने में आया 27 फीसदी अधिक एफडीआई

अक्तूबर-दिसंबर में 5.6 फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़कर 40.67 अरब डॉलर पहुंच गया। 2023-24 की समान अवधि में देश में 32 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) में सिर्फ 10.9 अरब डॉलर का एफडीआई आया। यह 2023-24 की समान अवधि के 11.55 अरब डॉलर की तुलना में 5.6 फीसदी कम है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एफडीआई करीब 43 फीसदी बढ़कर 13.6 अरब डॉलर रहा था। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में 47.8 फीसदी की वृद्धि रही थी और 16.17 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर में 21.3 फीसदी बढ़कर

62.48 अरब डॉलर पहुंच गया। इसमें शेयर बाजार में निवेश, पुनर्निवेशित आय व अन्य पूंजी शामिल है।

इन क्षेत्रों में वृद्धि

सेवाओं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, व्यापार, दूरसंचार, वाहन और रसायन क्षेत्रों में अप्रैल-दिसंबर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है। सेवा क्षेत्र में एफडीआई बढ़कर 7.22 अरब डॉलर और गैर-परंपरागत ऊर्जा क्षेत्र में 3.5 अरब डॉलर रहा।

महाराष्ट्र सबसे आगे

पहले नौ महीने में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 16.65 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। गुजरात 5.56 अरब डॉलर के साथ दूसरे और कर्नाटक 4.5 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

- **भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी में जुटाई 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग-** भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी, 2025 में 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है ।यह आंकड़ा जनवरी के 1.38 अरब डॉलर से 19.5 फीसदी अधिक है ।यह फंडिंग 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर मिली है ।ट्रैक्सन के मुताबिक, नई फंडिंग के साथ 2024-25 (अप्रैल-फरवरी) में 2,200 दौर में कुल वित्तपोषण 25.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले महीने जुटाई गईकुल राशि फरवरी, 2024 2.06 अरब डॉलर के आंकड़े से कम है। स्टार्टअप राजधानी बंगलूरू में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर की फंडिंग हासिल की है। औसतन एक दौर में 20 लाख डॉलर जुटाएगए। मुंबई के स्टार्टअप ने 10.2 करोड़ डॉलर वित्तपोषण हासिल किया। फिनटेक कंपनी ऑक्सीजो परंपरागत कर्ज मद में एक अरब डॉलर की फंडिंग जुटाकर इस मामले में सबसे आगे रही है।

प्रावेग लि. ने इंडियन होटल्स कंपनी लि. के साथ होटल प्रबंधन सौदे की घोषणा की

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रावेग लिमिटेड, एक प्रमुख हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज़ प्रोवाइडर, भारतीय होटल्स कंपनी लिमिटेड के साथ एक स्ट्रैटेजिक साझेदारी की घोषणा करने के लिए उत्साहित है, जो भारत के प्रमुख होटल चेन में से एक है। इस समझौते के तहत, आइएचसीएल, प्रावेग लिमिटेड की प्राचीन संपत्ति, प्रावेग एटोल्स, जो लक्षद्वीप के अद्भुत बंगारम द्वीप पर स्थित है, का प्रबंधन करेगा। इस रिसॉर्ट को प्रतिष्ठित सेलेक्शन ब्रांड के तहत वर्गीकृत किया जाएगा, जो इसके लक्ज़री ऑफ़रिंग्स को और भी ऊँचा करेगा।

यह सहयोग प्रावेग लिमिटेड की एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत के सबसे अद्वितीय और मांग वाले स्थलों में से एक में विश्व-स्तरीय हॉस्पिटैलिटी अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी में आइएचसीएल की स्थापित प्रतिष्ठा के साथ, यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि बंगारम द्वीप का रिसॉर्ट संपत्ति मेहमानों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करे, जबकि सेवा और स्थिरता के उच्चतम मानकों को बनाए रखे। प्रावेग लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. विष्णुकुमार पटेल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम भारतीय होटल्स कंपनी लिमिटेड, जो हॉस्पिटैलिटी उद्योग में एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता है, के साथ अपनी अद्वितीय संपत्ति, बंगारम द्वीप, का प्रबंधन करने के लिए साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। आइएचसीएल का लक्ज़री रिसॉर्ट्स के प्रबंधन में अनुभव और स्थिरता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता हमारे इस द्वीप स्वर्ग के लिए हमारे दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाती है। यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि मेहमानों को हॉस्पिटैलिटी का सर्वोत्तम अनुभव मिले, जबकि द्वीप की प्राकृतिक सुंदरता को भविष्य पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखा जाए। यह सहयोग प्रावेग लिमिटेड की हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में गुणवत्ता और नवाचार के प्रति प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

एमराल्ड फाइनेंस 15 करोड़ जुटाएगा

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड जो भारत में अपने प्रमुख अर्न्ड वेज एक्सेस सहित विभिन्न वित्तीय उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने इक्विटी शेयरों के प्राथमिक आवंटन के माध्यम से जारी करने की घोषणा की है। साथ ही, प्रस्तावित पूंजी निवेश के लिए 25 मार्च 2025 को एक असाधारण आम बैठक आयोजित कर शेयरधारकों की स्वीकृति प्राप्त करने का निर्णय लिया है। निदेशक मंडल ने 1 मार्च 2025 को हुई अपनी बैठक में 1,148,900 इक्विटी शेयरों के निर्गम को मंजूरी दी, जिसकी कीमत 131 प्रति शेयर होगी।

इसमें 10 का मूल मूल्य और 121 का प्रीमियम शामिल है। इस वरीयता आवंटन से लगभग 15.05 करोड़ जुटाए जाने की उम्मीद है, जिसका उपयोग व्यापार विस्तार, ईडब्ल्यूए कार्यक्रम को सुदृढ़ करने, आगे उधार देने, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मुख्य बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में, बया पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर अपनी भारतीय सहायक कंपनी बाया फिनसर्व टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से भाग ले रही है। इसके अलावा, सेंट कैपिटल मॉरीशस भी वरीयता आवंटन का हिस्सा है, जिससे कंपनी के निवेशक आधार को और मजबूती मिल रही है।

संजय अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, यह पूंजी निवेश हमें हमारे इडब्ल्यूए प्रोग्राम के विस्तार और हमारी वित्तीय सेवाओं को मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।

हायर ने भारत में लॉन्च किए कलरफुल किनोची एयर कंडीशनर

कूलिंग टेक्नोलॉजी और शानदार डिज़ाइन का अनोखा मेल

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार 16 वर्षों से दुनिया की नंबर 1 होम अप्लायंसेस ब्रांड हायर अप्लायंसेज इंडिया ने भारत में अपने नए किनोची एयर कंडीशनर की कलरफुल रेंज लॉन्च की है, जिसने कूलिंग टेक्नोलॉजी में नया बेंचमार्क स्थापित किया है। यह एसी सिर्फ ठंडक ही नहीं देता, बल्कि मॉडर्न घरों की खूबसूरती को भी बढ़ाता है क्योंकि यह बेहतरीन डिजाइन और उन्नत परफॉर्मेंस का अनोखा मेल है। किनोची लिमिटेड एडिशन एसी कटिंग-ऐज टेक्नोलॉजी और प्रीमियम कलरफुल फिनिश के साथ आते हैं, जिससे यह सिर्फ कूलिंग ही नहीं बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाते हैं। आज भारतीय ग्राहक डिजाइन को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं और ऐसे प्रोडक्ट्स की तलाश कर रहे हैं जो उनके लाइफस्टाइल से मेल खाते हों। इसे ध्यान में रखते हुए, हायर इंडिया ने इस खास रेंज को पेश किया है, जो फंक्शनलिटी और स्टाइल का बेहतरीन संयोजन प्रदान करती है। किनोची सीरीज तीन शानदार कलर्स-ब्लैक, मॉर्निंग मिस्ट और मूनस्टोन ग्रे में उपलब्ध है, जो किसी भी इंटीरियर के साथ आसानी से मेल खाती है। ये एसी केवल हाई-परफॉर्मेंस कूलिंग का समाधान ही नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली को दर्शाने वाले स्टेटमेंट पीस भी हैं। इस लॉन्च के साथ, हायर इंडिया अपने ग्राहक-प्रेरित नवाचार की प्रतिबद्धता को दोहराता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उपभोक्ताओं को अब दक्षता और आकर्षक डिजाइन में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है—वे दोनों का आनंद ले सकते हैं, जो उनके स्टाइलिश घरों को बेहतरीन बनाएगा। किनोची एयर कंडीशनर सीरीज के लॉन्च के बारे में हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेसिडेंट, श्री एन. एस. सतीश ने कहा, हायर इंडिया में, हम हमेशा ग्राहकों की बदलती जरूरतों को प्राथमिकता देते हैं। भारत में कलर लिमिटेड-एडिशन एसी पेश करने वाला एकमात्र ब्रांड होने के नाते, हम प्रीमियम एस्थेटिक्स और एडवांस कूलिंग सॉल्यूशंस में नए मानक

हर गांव रोशन सीएसआर परियोजना के तहत सिग्निफाई ने छतरपुर में 55 गांवों को सोलर और एलईडी लाईट्स रोशनी से रोशन किया

छतरपुर एजेंसी। लाईटिंग के क्षेत्र में विश्व की प्रमुख कंपनी, सिग्निफाई ने अपने सब्राईटरलाईव्सबैटरवर्ल्ड विज़न के अंतर्गत छतरपुर जिला, मध्य प्रदेश के 55 गाँवों को रोशन किया है। रोशनी की यह व्यवस्था कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रोग्राम, 'हर गाँव रोशन' के अंतर्गत की गई है। इस पहल का लाभ 70,000 लोगों को मिलेगा। इन सस्टेनेबल लाईटिंग समाधानों से महिला सुरक्षा, पर्यटन, सुरक्षा, और सामाजिक-आर्थिक विकास में वृद्धि होगी।

यह प्रोजेक्ट एनजीओ, हरीतिका के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके तहत इन आदिवासी गाँवों में 2000 एनर्जी एफिशियंट एलईडी स्ट्रीट लाईट्स, 700 सोलर होम लाईटिंग सिस्टम और 100 सोलर स्ट्रीट लाईट्स लगाई जाएंगी, ताकि यहाँ के लोगों एवं पर्यटकों की सुरक्षा बढ़ाई जा सके।

निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रेट्जी, सरकारी मामले एवं सीएसआर, सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''सिग्नफाई में हम लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए लाईट की परिवर्तनकारी शक्ति में यकीन रखते हैं। इन गाँवों में सस्टेनेबल लाईटिंग समाधान स्थापित करके हमारा उद्देश्य हर किसी के लिए एक ज्यादा सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना है। यह अभियान सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ लाईटिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। हमें इन आदिवासी समुदायों का जीवन रोशन करने में अपना योगदान देने पर गर्व है।''

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स और कमल ऑटो फाइनेंस ने की साझेदारी

अब इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना हुआ और आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के एक प्रमुख नाम गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ एक अहम साझेदारी की है। इस करार पर 25 फरवरी 2025 को हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य पहले चरण में राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। आने वाले समय में इस पहल को और भी राज्यों तक फैलाने की योजना है। इस साझेदारी के तहत, कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के लो-स्पीड और हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (रु3 और रु5 कैटेगरी) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसका मकसद इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने को और आसान और किफायती बनाना है, जिससे देश में सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को बढ़ावा मिल सके। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के निदेशक और सीईओ, श्री हैदर खान ने इस साझेदारी को लेकर कहा, हम कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। यह कंपनी ऑटोमोबाइल फाइनेंसिंग में अग्रणी है और यह सहयोग हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे हमारी उपस्थिति ईवी बाजार में और मजबूत होगी, साथ ही यह नवाचार और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस साझेदारी के जरिये, हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है, जिससे हमारे शहर स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर बढ़ सकें। कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक, श्री श्रेयांश ने भी इस करार को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स भारत के तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में एक प्रमुख नाम है और इस अहम पहल में उनके साथ साझेदारी करके हमें खुशी हो रही है। हमारी विशेष रूप से डिज़ाइन की गई फाइनेंसिंग स्कीम्स गोदावरी की बेहतरीन ईवी टेक्नोलॉजी को और अधिक ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद करेंगी, जिससे लोग आसानी से सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट को अपना सकेंगे।

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड में 'दबंग', 'तेवर' जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म 'जटाधारा' में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। 'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2- द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए। मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। 'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है। फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। जटाधारा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा। 'जटाधारा' के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा के पास 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' भी है।

आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर चैट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

आर माधवन फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं। अब उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली गलतफहमियों को दूर किया, जिसमें कुछ लोगों का मानना था कि वह युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करते हैं। अभिनेता इन अफवाहों का खंडन करने और स्थिति को साफ करने के लिए आगे आए और इस मामले में अपनी बात सामने रखी। चेन्नई में एक एप के लॉन्च के दौरान आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अपने साथ होने वाली बेवजह जांच के बारे में बात की। वह इस एप में निवेशक के तौर पर शामिल हुए हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए माधवन ने एक उदाहरण साझा किया और कहा, एक युवा लड़की ने मुझे संदेश भेजा, मैंने यह फिल्म देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। मुझे लगा कि आप एक शानदार अभिनेता हैं, बहुत बढ़िया। आपने मुझे प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल, किस और लव इमोजी भेजे।

अभिनेता ने क्यों किया फैन को रिप्लाई?

आर माधवन ने आगे कहा कि अब, जब कोई प्रशंसक मुझसे इतने विस्तार और प्यार से बात करता है तो मैं जवाब देने के लिए मजबूर महसूस करता हूं। मैं आमतौर पर जवाब देता हूं और मैंने ऐसा ही किया। मैंने उन्हें जवाब दिया और लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत दयालु हैं। भगवान आपका भला करे। हालांकि, लड़की ने तब मेरे रिप्लाई का स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

माधवन को करना पड़ा समस्या का सामना

अब लोग क्या देखते हैं? दिल, चुंबन और प्यार भरी बातें और मैडी ने इसका जवाब दिया है। मेरा इरादा उस पर जवाब देने का नहीं था। मेरा इरादा उसके संदेश का जवाब देने का था, लेकिन यह एक छोटी सी बात है, आप केवल उस प्रतीक को देखते हैं और कहते हैं ओह मैडी छोटी लड़कियों से बात कर रहा है। अगर मुझे यही डर है और मुझे हर बार सोशल मीडिया पर संदेश डालते समय इधर-उधर भागना पड़ता है तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे मेरे अनुभव के साथ इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो किसी दूसरे व्यक्ति को कितनी समस्या होगी?

सलमान को अल्लू अर्जुन ने किया रिप्लेस?

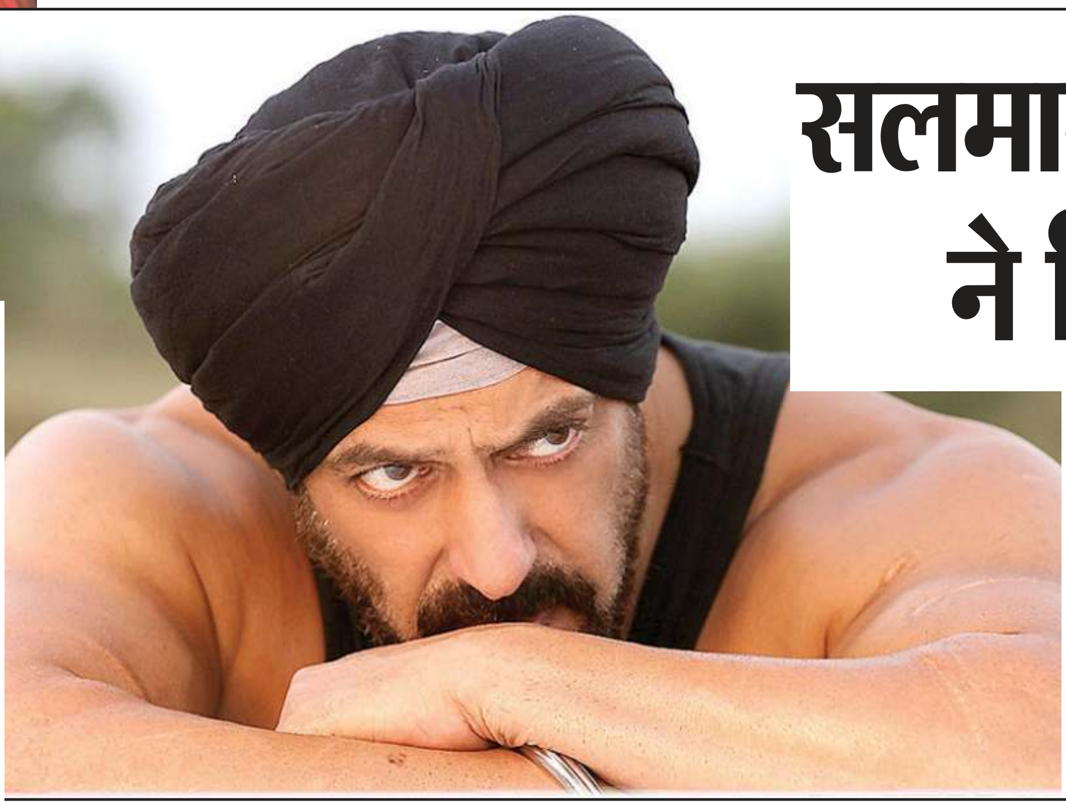

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि डायरेक्टर एटली कुमार ने अपनी आगामी फिल्म से बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान को रिप्लेस कर दिया है। एटली अब सलमान खान की जगह फिल्म में अल्लू अर्जुन को कास्ट करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक डायरेक्टर एटली कुमार की अपकमिंग फिल्म में सलमान खान नहीं नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि सलमान खान की पिछली फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन के कारण एटली कुमार ने यह फैसला किया है। डायरेक्टर सलमान खान और रजनीकांत के साथ इस फिल्म को बनाना चाहते थे, लेकिन अब उन्होंने सलमान खान की जगह फिल्म में अल्लू अर्जुन को कास्ट कर लिया है और दूसरे एक्टर की तलाश में हैं। 600 करोड़ रुपए के बजट में बनने जा रही इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस करने जा रहा है। एक्शन से भरपूर यह फिल्म पुनर्जन्म थीम पर आधारित होगी। जिसमें तीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।

11 साल 11 फिल्में बस एक ब्लॉकबस्टर, फिर भी इन वजहों से हिट हैं टाइगर श्रॉफ

डांस, एक्शन और रोमांस फिल्मों में टाइगर श्रॉफ अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। बड़े स्टार के बेटे होने के बाद भी खुद के संघर्षों से बॉलीवुड में जगह बनाने वाले अभिनेता का आज जन्मदिन है। आइए जानते हैं इनकी पर्सनल लाइफ और करियर की कुछ रोचक बातें।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ का जन्म 2 मार्च 1990 को मुंबई में हुआ था। टाइगर का असली नाम जय हेमंत श्रॉफ है, लेकिन इनके पिता बचपन से ही इन्हें प्यार से टाइगर नाम से बुलाते थे। इस वजह से बॉलीवुड में भी अभिनेता ने 'टाइगर' नाम से उपलब्धि हासिल की। वहीं दूसरी ओर टाइगर को मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का बहुत शौक है।

बचपन में ही डायरेक्टर ने फिल्म ऑफर की टाइगर जब पैदा हुए तो मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई उन्हें देखने पहुंचे। उन्होंने टाइगर के पिता जैकी श्रॉफ को टाइगर के साइनिंग अमाउंट के तौर पर 101 रुपये दिये। सुभाष ने जैकी से कहा कि बतौर एक्टर तुम्हारे बेटे को मैं ही लॉन्च करूंगा।

फिल्मों की दुनिया में टाइगर

चर्चित स्टार के बेटे होने के बावजूद परिवार ने चाहा कि वह अपना करियर खुद बनाए। अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से की थी, जिसे साजिद नाडियाडवाल ने प्रोड्यूस किया था और सब्बीर खान ने निर्देशन। इस फिल्म को लेकर इनकी कुछ आलोचनाएं भी हुई थी। वहीं एक ओर इस फिल्म के 'व्हिसल बजा' और 'रब्बा' गाने बहुत हिट साबित हुए थे। इसके बाद उन्होंने बागी, ए फ्लाइंग जट, मुन्ना माइकल, स्टूडेंट ऑफ द ईयर जैसी फिल्मों में बतौर मुख्य भूमिका में काम किया। इनमें से इनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी, जिस कारण वह डिप्रेशन में चले गए थे। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू में किया था। साल 2019 में रिलीज हुई 'वॉर' फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी। इसमें टाइगर के साथ अभिनेता ऋतिक रोशन भी मुख्य भूमिका में थे।

सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्मी दुनिया में15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक खास कार्यक्रम में सामंथा रुथ प्रभ को सम्मानित किया गया। यह लम्हा प्यार, पुरानी यादों और प्रशंसकों के उत्साह से भरा हुआ था। जब उन्होंने अवॉर्ड हासिल किया तब वह उत्साहित लग रही थीं। सामंथा के फिल्मी दुनिया में 15 साल पूरे होने पर उन्हें एमसीआर ग्रुप ऑफ कंपनीज की तरफ से सम्मानित किया गया। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, इसमें उन्होंने लिखा कि 15 साल। महान। सौभाग्यपूर्ण। प्यारे। बहुत कुछ आना बाकी है। धन्यवाद चेन्नई। सम्मान के लिए शुक्रिया। सामंथा ने अवॉर्ड की जगह से साड़ी में अपनी कई फोचो शेयर की हैं। सामंथा ने अपने लुक को गोल्डन साड़ी और गहनों से पूरा किया था। सामंथा के काम की बात करें तो वह आखिरी बार सिटाडेल हनी बनी में नजर आई थीं। उनके साथ वरुण धवन ने काम किया है। सामंथा ने साल 2010 में तेलुगू फिल्म ये माया चेसावे से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में सर्वश्रेठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए उन्हें फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला।

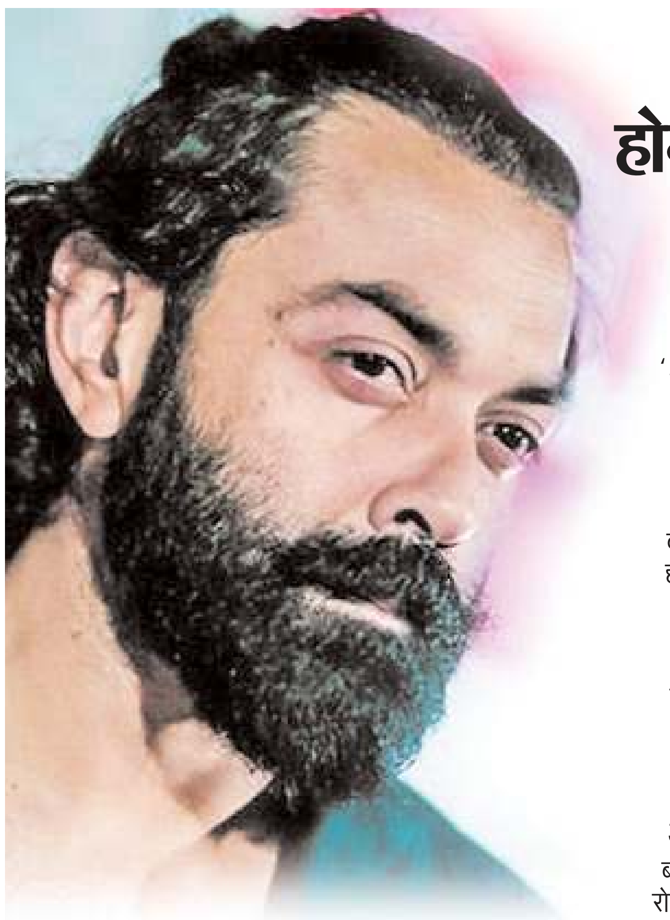

अब नेगेटिव रोल की इमेज से अलग होना चाहते हैं बॉबी देओल, वेब सीरीज को एक्टर्स के लिए वरदान बताया

हाल ही में एक्टर बॉबी देओल ने बताया कि फिल्म 'एनिमल', 'कंगुवा' और वेब सीरीज 'आश्रम' में निभाए गए विलेन के रोल के कारण उन्हें नेगेटिव रोल ही ऑफर हो रहे हैं। लेकिन अब वह नए किरदारों को निभाना चाहते हैं।

बॉबी बोले टाइपकास्ट हो गया हूं

वेब सीरीज 'आश्रम 3' के दो पार्ट में निराला बाबा के रोल में बॉबी देओल फिर से छा गए हैं। हाल ही में बातचीत में बॉबी देओल कहते हैं, ' सीरीज 'आश्रम' ने मेरी जिंदगी बदल दी, लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा। दर्शक सोचते हैं कि बॉबी देओल एक विलेन का रोल भी अच्छे से निभा सकता है। लेकिन अब फिर से मैं इस तरह के रोल में टाइपकास्ट हो रहा हूं। मैं इस इमेज से बाहर निकलना चाहता हूं।

आसान नहीं रहा नेगेटिव रोल निभाना

बॉबी देओल आगे कहते हैं, 'मैं अभी जो नेगेटिव रोल निभा रहा हूं, वे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर हैं। शुरू में मुझे शर्म आती थी। इस बात को लेकर थोड़ी हिचकिचाहट होती है कि दूसरे आपके काम पर कैसा रिएक्शन देंगे। लेकिन मुझे नेगेटिव रोल निभाने पर पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिला।'

लॉर्ड बॉबी टैग पर बात की

ऑडियंस ने बॉबी देओल को लॉर्ड बॉबी का टैग दिया है, इस पर वह क्या सोचते हैं। बॉबी कहते हैं, 'पहले ये सब सोशल मीडिया पर मजाक के तौर पर शुरू हुआ, लेकिन आगे चलकर दर्शक इसके जरिए अपना प्यार जताने लगे। इस तरह से वे मेरी मेहनत को सराहते हैं।'

ओटीटी को वरदान बताया

बॉबी देओल के करियर में बड़ा बदलाव वेब सीरीज 'आश्रम' में काम करके ही आया था। ऐसे में वह ओटीटी प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हैं। बॉबी कहते हैं, 'मैं उम्र के उस मुकाम पर हूं, जहां मुझे लीड रोल निभाने की टेंशन नहीं है। साथ ही मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एक्टर्स के लिए एक वरदान है।'

फिर साथ आए ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल

ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल अभिनीत जिंदगी ना मिलेगी दोबारा अपनी रिलीज के 13 साल बाद भी प्रशंसकों की पसंदीदा बनी हुई है। जबकि दर्शक जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच अब ऋतिक, फरहान और अभय हाल ही में फिर से साथ आए, लेकिन दुख की बात है कि सीक्वल के लिए नहीं।

साथ नजर आई तिकड़ी

ऋतिक, फरहान और अभय यास आइलैंड के साथ एक विशेष सहयोग के लिए फिर से साथ आए। तीनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की और एक संयुक्त पोस्ट में लिखा, समय लगा, लेकिन आखिरकार हमने यस कहा- जिंदगी को यस बोल। प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर उत्साह के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की, हालांकि कई लोगों ने अनुमान लगाया कि यह सहयोग किसी विज्ञापन के लिए था।

इस साल की शुरुआत में फरहान ने ऋतिक और अभय के साथ एक रेस्तरां में बैठे हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में अभय को एक किताब को घूरते हुए देखा गया था। ऋतिक ने भी उसी किताब को देखते हुए कहा, अविश्वसनीय, जबकि फरहान ने कहा, शानदार। जिस किताब को तीनों देख रहे थे, वह थी द थ्री मस्किटर्स, जो फ्रांसीसी लेखक एलेक्जेंडर डुमास का क्लासिक एडवेंचर उपन्यास है।

फिल्म के कलाकार

फरहान अख्तर ने इस पोस्ट में अपनी बहन और फिल्म निर्माता जोया अख्तर को टैग किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, जोया अख्तर क्या आपको ये संकेत दिख रहे हैं? बैकग्राउंड में फरहान ने प्रतिष्ठित जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का गाना सेनोरिटा जोड़ा गया था, जिससे प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए।

साभार एजेंसी

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है। तीसरी बार लगा था प्रतिबंध फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था।

2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: असम ने बिहार को 2-1 से हराया

पंचकूला, एजेंसी। ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम, पंचकूला में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन बी के तीसरे दिन सोमवार को असम हॉकी ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को 2-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

मैच की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले असम हॉकी की कप्तान मुनमुनी दास (29) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद असम हॉकी ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए तीसरे क्वार्टर तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मैच के अंतिम क्षणों में रोमांच और बढ़ गया। खुशबू प्रजापति (59) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर असम हॉकी की बढ़त को 2-0 कर दिया। हालांकि, अगले ही मिनट में नुसरत खातून ने बिहार की ओर से एकमात्र गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस जीत के साथ असम हॉकी ने अंकतालिका में अपना खाता खोल लिया.

बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा, योगराज सिंह ने किया है ऐसा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा. ये बयान युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का बताया जा रहा है, जो कि अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. अब अगर ऐसा है तो ये एक बड़ा दावा है. मगर योगराज सिंह के इस दावे की फिलहाल पुष्टि नहीं करता. सोशल मीडिया पर चल रहा योगराज सिंह का बयान हैंडल से पोस्ट किया गया है, जिसके मुताबिक वो बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना देंगे.

योगराज सिंह ने कहा है कि बाबर आजम को सिर्फ एक महीने के लिए मेरे साथ छोड़ दो और फिर मैं उसे ट्रेविस हेड बना दूंगा. हालांकि, ये बयान कितना पुख्ता है, इस बारे में कुछ भी साफ नहीं है. हमने जब इसकी जानकारी जुटाने की कोशिश की तो हमें फिलहाल कहीं और कुछ भी नहीं मिला.

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के फीके प्रदर्शन के बाद योगराज सिंह ने स्पोर्ट्स नेक्स्ट को दिए इंटरव्यू में ये जरूर कहा था कि अगर वो पाकिस्तान के कोच बनते हैं तो उस टीम की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे. योगराज ने कहा था कि कभी-कभी उन्हें लगता है कि पाकिस्तान की टीम को फोन करके कहें कि अगर उनके पास कोच नहीं है तो ये टीम एक साल के लिए उन्हें दे दें फिर वो उन्हें बब्बर शेर बना देंगे. योगराज सिंह ने माना था कि पाकिस्तान की टीम में वो सबकुछ है, जो एक बेहतर टीम बनने के लिए चाहिए. उनके पास बड़े स्टार्स है तो तेज रफ्तार वाले गेंदबाज भी हैं. अगर कुछ नहीं है तो वो है अच्छी व्यवस्था.

महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का निधन, सेमीफाइनल में काली पट्टी बांधकर उतरी भारतीय टीम

दुबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। यह मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जारी है। भारतीय टीम इस मैच में बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरी। दरअसल, मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को निधन हो गया था। भारतीय खिलाड़ी उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

शिवलकर ने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। बाएं हाथ के स्पिनर शिवलकर देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक थे जिन्हें कभी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। उनकी गिनती घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में होती थी। वह 10 बार रणजी चैंपियन बन चुके हैं। शिवलकर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 2017 में सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। महान सुनील गावस्कर ने सोमवार को मुंबई और घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पद्माकर शिवलकर को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कुछ अन्य की तुलना में भारतीय टीम में खेलने के अधिक हकदार थे।

शिवलकर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया और 48 साल की उम्र तक खेलना जारी रखा। उन्होंने भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में 361 विकेट लिए जिसमें 11 बार मैच में 10 विकेट लेना शामिल हैं। शिवलकर ने 12 लिस्ट ए मैचों 16 विकेट लिए है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, मुंबई क्रिकेट ने आज एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। पद्माकर शिवलकर सर का खेल में योगदान, खासकर अब तक के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से एक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट पर उनका समर्पण, कौशल और प्रभाव अद्वितीय है।

रिजवान का पत्ता साफ, पाकिस्तान टीम को मिला नया कप्तान

31 साल के सलमान आगा के हाथों में कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के ठीक बाद पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खेलनी है. पाक टीम का एलान करके सलमान आगा को नया टी20 कप्तान नियुक्त कर दिया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम की छुट्टी हो गई है, हालांकि चयनकर्ताओं ने दोनों फॉर्मेट में अब भी शाहीन शाह अफरीदी पर भरोसा दिखाया है.

अभी पाकिस्तान टीम के अंतरिम हेड कोच आकिब जावेद ने लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सलमान आगा को कप्तान बनाने की जानकारी दी. सबसे चौंकाने वाला फैसला यह है कि टी20 टीम से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर कर दिया गया है. आकिब जावेद ने बताया कि टीम मैनेजमेंट युवाओं को मौका देना चाहता है. बताते चलें कि टी20 स्क्वाड से नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को भी ड्रॉप कर दिया गया है.

कब खेली जाएगी पाकिस्तान-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज

अभी न्यूजीलैंड टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेल रही है, जहां 5 मार्च को उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलना है. पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 16 मार्च से शुरू होगी और 26 मार्च तक दोनों टीमों के बीच पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. बताते चलें कि टी20 सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी. पाकिस्तान, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान होते हुए भी एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया था और ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था.

पाकिस्तान का टी20 स्क्वाड:

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मुकीम, उस्मान खान.

शमा मोहम्मद ने विराट कोहली को भी बताया था विदेशी, शादी को लेकर भी उठाया था सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के वजन पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा का वजन जरूरत से ज्यादा है और प्रभावी कप्तान नहीं है। इस बयान के बाद काफी हंगामा मचा था। शमा ने पहली बार किसी क्रिकेटर पर बयान नहीं दिया है। वह इससे पहले विराट कोहली को लेकर भी विवादित बयान दे चुकी हैं।

शमा मोहम्मद ने कोहली को लेकर दिया था बयान

सोशल मीडिया पर शमा मोहम्मद का सात साल पुराना ट्वीट वायरल हुआ है। इस पोस्ट में वह विराट कोहली पर निशाना साध रही थीं। विराट कोहली ने उस समय एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया को पसंद करने वालों को वहीं चले जान चाहिए। शमा ने इसी इंटरव्यू को लेकर कोहली पर निशाना साधा था और वह उसकी शादी तक को बीच में ले आई थीं।

कोहली को किया था ट्रोल

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'विराट कोहली ब्रिट्रिश द्वारा बनाया गया गेम खेलते हैं, वह विदेशी ब्रांड्स को एंडोर्स करके करोड़ों रुपए कमाते हैं, उन्होंने इटली में शादी की। हर्षल गिब्स को अपना पसंदीदा क्रिकेटर और एंजलीक कर्बर को पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी मानते हैं और विदेशी बल्लेबाजों को पसंद करने वालों को भारत छोड़ने को कहते हैं।'

रोहित शर्मा को लेकर दिया था विवादित बयान

शमा ने रोहित शर्मा को लेकर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा, 'शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से वह भारत के अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान हैं।''कांग्रेस ने स्वीकार किया कि उन्होंने मर्यादा का उल्लंघन किया है और पार्टी ने उनसे पोस्ट डिलीट करने के लिये भी कहा।

एशियाई चैंपियंस लीग

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल-नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल-नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन डुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल-साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2ञ्06ञ्30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।

युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिल सकता है लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था।

पंत पिछले साल आईपीएल से मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। उन्होंने आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से वापसी की थी। पंत इसके बाद टी20 विश्व कप टीम में भी शामिल हुए थे। फिर उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की थी।

कार दुर्घटना में घायल होने के बाद वापसी करते हुए अपने पहले ही टेस्ट मैच में पंत ने शतक लगाया था। उनकी शानदार पारी से भारत वो मुकाबला 280 रन से जीतने में सफल रहा था। पंत फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पंत को हालांकि, अब तक तीनों मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला है और उनकी जगह केएल राहुल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है।

पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पंत 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। पंत इस बार लखनऊ सुपरजाएंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंत आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई खिलाड़ियों की मेगा नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

औरंगजेब की तारीफ कर फंसे विधायक अबू आजमी

एफआईआर दर्ज, शिवसेना ने की इस्तीफे की मांग

ठाणे, एजेंसी। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर शिवसेना ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने रातों-रात मामला दर्ज कर लिया. अबू आजमी पर औरंगजेब की तारीफ करने का आरोप लगा है. उनके खिलाफ वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के (ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. अबू आजमी के खिलाफ विवादित बयान देकर दो समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने, हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने और सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार करने का मामला दर्ज किया गया है.

मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अबू आजमी ने सोमवार को विधानसभा परिसर में विवादास्पद बयान दिया. उन्होंने औरंगजेब की तारीफ की और उसे अच्छा प्रशासक बताया. आजमी ने यह दावा भी किया कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए थे.

विधायक अबू आजमी के इस बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है. आजमी के खिलाफ ठाणे में शिवसेना आक्रामक हो गई है. शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के के नेतृत्व में सोमवार को वागले पुलिस थाने में आजमी के खिलाफ नारेबाजी की गई. शिवसैनिकों ने मांग की कि अबू आजमी विधायक पद से इस्तीफा दें।

शिवसेना-यूबीटी में विरोध की हिम्मत नहीं

पत्रकारों से बात करते हुए सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) हिम्मत हार चुकी है. उनके पास विरोध करने के लिए लोग भी नहीं हैं. उन्होंने अपने हिंदुत्व के विचारों और सिद्धांतों को इंदिरा गांधी के घर में गिरवी रख दिया है. उन्हें पहले राहुल गांधी और सोनिया गांधी से अनुमति लेनी होगी. उसके बाद वे विरोध में शामिल होंगे.

अबू आजमी के इस्तीफे की मांग

उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों का अपमान किया गया है. जो कुछ भी किया जा रहा है वह एक तरह से देशद्रोह है. उन्होंने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर उनके इस्तीफे की मांग की है. विधायक के तौर पर अबू आजमी ने देश के लिए शपथ ली थी. उन्होंने उसके खिलाफ काम किया है. मुख्यमंत्री ने इस मामले में सख्त आदेश जारी किए हैं. महापुरुषों का अपमान करने वालों में होड़ लगी हुई है, उन्हें समय रहते रोका जाना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए. सांसद म्हस्के ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए.

तेलंगानाः संपत्ति विवाद में बेटे ने की मां की हत्या, गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। संगारेड्डी जिले के रामचंद्रपुरम मंडल के तेलपुर में एक युवक ने संपत्ति विवाद में चाकू से गोदकर मां की हत्या कर दी. पिता ने रोकने की कोशिश की लेकिन उन्हे भी चोटें आई. इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया.

जानकारी के अनुसार तेलपुर में रहने वाले मल्लारेड्डी और राधिका रेड्डी (50) के दो बेटे हैं. सबसे बड़े बेटे संदीप रेड्डी की एक साल पहले ही शादी हुई थी. छोटा बेटा कार्तिक रेड्डी (26) छोटी उम्र में ही भटक गया था. वह दोस्तों से नहीं मिलता था. वह दूसरे घर में अकेला रहता था. उसने डिग्री तक पढ़ाई की. जैसे-जैसे वह बड़ा होता गया, उसे शराब और ड्रग्स की लत लग गई. वह केवल उन लोगों का विरोध करता था जो उसके करीब थे.

उन्होंने अपने बेटे को नशे की लत से बाहर निकालने के लिए कई तरह की कोशिशें कीं. किसी तरह उन्होंने बेटे को मनाकर कोयंबटूर के एक पुनर्वास केंद्र में भेज दिया. वहां इलाज के बाद वह एक महीने पहले घर लौट आया. वह अपने माता-पिता के साथ रहने लगा. उसके माता पिता इस बात पर खुश थे कि उनका बेटा बदल गया है.

इस बीच उसने तेलपुर के पास करोड़ों रुपये की जमीन अपने नाम पर दर्ज करने के लिए दबाव बढ़ाया. यही नहीं रह-रह कर पैसे मांगना शुरू कर दिया. वह चाहता था कि जितना पैसा मांगे उसे मिल जाए. इसी बात को लेकर वह अपने माता-पिता से अक्सर झगड़ा करने लगा. रविवार को भी संपत्ति के बंटवारे को लेकर उसका झगड़ा हुआ था.

इसी बात को लेकर सोमवार की सुबह वह फिर झगड़ करने लगा. बात बढ़ने पर उसने अपनी मां पर चाकू से अंधाधुंध हमला कर

दिया. उसके पिता ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उनके हाथ में चोट लग गई. खून से लथपथ राधिका रेड्डी को नलगंडला के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया. वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. बताया जा रहा है कि आरोपी पुलिस की हिरासत में है.

दिल्ली-एनसीआर में रहेगी किल्लत, कई इलाकों में दो दिन नहीं आएगा पानी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों को दो दिन पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। लोगों को सावधानीपूर्वक पानी का इस्तेमाल करने और जरूरत अनुसार पहले से स्टोर करके रखने की सलाह दी गई है। दिल्ली में जहां चार और पांच मार्च को कई इलाके प्रभावित रहेंगे। वहीं फरीदाबाद में 48 घंटे जलापूर्ति बाधित रहेगी।

दिल्ली के इन इलाकों में आज और कल नहीं आएगा पानी: दिल्ली एयरपोर्ट के पास पाइप लाइन को जोड़े जाने और अंडरग्राउंड रिजर्वायर व बूस्टर पंपिंग स्टेशन की सालाना सफाई की वजह से मंगलवार और बुधवार को एयरपोर्ट समेत दिल्ली के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने का कहना है कि चार मार्च की सुबह 10 बजे से पांच मार्च तड़के दो बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पाएगी। इस दौरान जरूरत पड़ने पर लोग हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर पानी का टैंकर मंगा सकेंगे।

ये इलाके रहेंगे प्रभावित: जल बोर्ड के अनुसार, शाहाबाद मोहम्मदपुर, एयरपोर्ट स्टेशन और आसपास के इलाकों, वसंत कुंज, छतरपुर, जसोला, नेहरू कैंप, रघुवीर नगर, गीता कॉलोनी, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, मयूर विहार फेज-1 एलआईजी फ्लैट्स, मालवीय नगर, खानपुर गांव, कुतुब एनक्लेव, महरौली, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, एमबी रोड, बदरपुर, चिराग दिल्ली, द्वारका, नसीरपुर, मंगलापुरी, यमुना विहार, भजनपुर, शास्त्री पार्क, उस्मानपुर सहित पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है।

फरीदाबाद में कल से 48 घंटे जल आपूर्ति नहीं होगी: फरीदाबाद के गांव रायपुर और बुखारपुर में पेयजल लाइन के स्थानांतरण के कारण पांच मार्च से सात मार्च तक सुबह 9 बजे से पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। इससे फरीदाबाद और बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के निवासियों को जल आपूर्ति में असुविधा हो सकती है। एफएमडीए ने लोगों से पहले ही पानी स्टोर करने को कहा है। प्राधिकरण की ओर से गांव रायपुर और बुखारपुर स्थित रेनीवेल लाइन संख्या-2 दो क्षतग्रस्त अवस्था में है। पानी लीकेज के कारण शहरी क्षेत्र तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता है। इसलिए एफएमडीए ने लाइन को बदलने की योजना बनाई है। इसका कार्य शुरु कर दिया है। एफएमडीए ने लोगों से सहयोग की अपील की है और आश्वासन दिया है कि कार्य को समय पर पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

उड़ीसा उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

13 वर्षीय बलात्कार पीड़िता का गर्भपात मंजूर

कटक, एजेंसी। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने सोमवार को 13 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को 24 सप्ताह से अधिक समय से चल रहे गर्भ को तत्काल चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी, क्योंकि न्यायालय ने माना कि इससे उसके जीवन और स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है.

नाबालिग सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है, जो ऐसी स्थितियां हैं जो प्रसव से जुड़े खतरों को काफी हद तक बढ़ा देती हैं. अनुसूचित जनजाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पीड़िता के साथ पिछले साल एक स्थानीय युवक ने कई बार बलात्कार किया था. धमकियों के कारण उसने अपराध का खुलासा तब तक नहीं किया जब तक कि उसकी बिगड़ती सेहत के कारण उसकी मां ने चिकित्सकीय सहायता नहीं ली. तब पता चला कि वह छह सप्ताह से अधिक गर्भवती है, जो कि चिकित्सकीय गर्भपात (एमटीपी) अधिनियम के तहत निर्धारित 24 सप्ताह की सीमा को पार कर गई है.

11 फरवरी को दर्ज की गई एफआईआर के बाद पीड़िता की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें गर्भावस्था और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों की पुष्टि हुई. इसके बाद मामला उड़ीसा उच्च न्यायालय में लाया गया, जहां उसके पिता ने गर्भावस्था से होने वाली जानलेवा जटिलताओं का हवाला देते हुए गर्भपात की अनुमति मांगी.

गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन (एमटीपी) अधिनियम नाबालिगों और बलात्कार पीड़ितों सहित कुछ श्रेणियों के लिए 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के गर्भपात की भी अनुमति देता है. अदालत ने पिछले महीने अपने आदेश में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को उसकी स्थिति का आकलन करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया था.

बोर्ड ने निर्धारित किया कि गर्भावस्था को पूर्ण अवधि तक ले जाना नाबालिग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डाल देगा. इस रिपोर्ट के आलोक में, राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जताई, यह तर्क देते हुए कि बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा. न्यायमूर्ति एस के पाणिग्रही ने फैसला सुनाते हुए शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन अधिकारों के महत्व पर जोर दिया, यह देखते हुए कि नाबालिग, हालांकि खुद कोई सूचित विकल्प बनाने में असमर्थ है, उसका प्रतिनिधित्व उसके कानूनी अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है. न्यायालय ने ऐसे मामलों में अनावश्यक न्यायिक देरी की भी आलोचना की, तथा ऐसी ही परिस्थितियों में चिकित्सीय गर्भपात के लिए सुव्यवस्थित प्रक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया ।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में दुकानों और घरों में लगी भीषण आग

शोपियां , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में घरों और दुकानों में आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि शोपियां के टाक मोहल्ला में स्थित कई घरों और दुकानों में भीषण आग लगी है। आग इतनी भीषण है कि दर्जनों घर, दुकानें और कॉम्प्लेक्स जलकर खाक हो गए हैं। पता चला है कि दुकानों और घरों में आग अभी भी लगी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई है। दमकल और पुलिस की टीमें भीषण आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है और आग को बुझाने का प्रयास जारी है। इससे पहले 25 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के मेंढर में सब डिवीजन में स्थित उप जिला अस्पताल के एक पुराने कॉम्प्लेक्स में आग लग गई थी। जिसमें दो कमरे पूरी तरह से जलकर खाक हो गए थे। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था।

सोनी लिव ने 'महारानी 4' का टीज़र जारी किया

मुंबई एजेंसी। महारानी लौट आई है और सोनी लिव द्वारा जारी नए टीज़र में साफ नजर आ रहा है कि वह पहले से 'याजदा ताकतवर है। 'महारानी 4' में रानी भारती के रूप में हुमा कुरैशी अपने अब तक के सबसे प्रभावशाली अंदाज़ में नज़र आ रही हैं। एक अनपढ़ गृहिणी से सत्ता को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री बनने तक का उसका सफर बेमिसाल रहा है। सत्ता के लिये संघर्ष, साजिशों और राजनीति के नए-नए मोड़ के साथ, यह सीज़न निश्चित रूप से अब तक का सबसे रोमांचक सीजन होने वाला है!

रंग लाई कोशिशें, गंगा में बढ़ी डॉल्फिन की संख्या

लखनऊ, एजेंसी। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी में एक बार फिर डॉल्फिन की संख्या बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉल्फिन की सबसे ज्यादा संख्या उत्तर प्रदेश में पाई गई है। उत्तर प्रदेश में 2397 डॉल्फिन पाई गई हैं, जबकि बिहार में 2220, पश्चिम बंगाल में 815 और असम में 635 डॉल्फिन पाई गई हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में गंगा जल को निर्मल एवं स्वच्छ बनाने के लिए योगी सरकार लगातार काम कर रही है। नतीजतन नदी में जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी गुण मौजूद हैं। लगातार नदियों की सफाई का नतीजा डॉल्फिनों की संख्या में वृद्धि के रूप में देखा जा सकता है।